राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 2270
ग्रहण काण्ड
द्वितीय खण्ड

सन् 2023
एक धूमकेतु पृथ्वी से टकराने जा रहा था! और उस धूमकेतु पर सवार थी ब्रह्मांड की महाविनाशक शक्ति, ब्लैक होल। उससे बचने के लिए पृथ्वी की आधी आबादी अंडरग्राउंड सिटीज़ में शिफ्ट हो गई थी और इसी दौरान एक सुदूर द्वीप पर,गुरुदेव पांच साल से नागपाशा पर एक प्रलयंकारी प्रयोग कर रहा था।

नागराज ने नागपाशा को ढूंढ़ निकाला था। गुरुदेव की सुरक्षा-व्यवस्था को मात देता हुआ नागराज द्वीप पर पहुंच तो गया पर उसी वक्त धूमके द्वीप पर आ गिरा ज प्रयोग अभी भी जारी

सन् 2025 आ गया।अब पृथ्वी पर नहीं,सड़कें चलती थीं! इच्छाधा और इंसान विवाह बंधन लगे थे। पर दूसरी तरफ विनाशकारी शक्ति पॉवर्स की फौज भी मचा रही थी। वे धावा बोलकर मानवों को मार देते थे! पर ध्रुव एवं ब्लैक पॉवर्स से मुकाबला कर

ब्लैक पॉ खिलाफ इस स्वर्ण नगरी के ध बागडोर सम्भाल र नागराज भारती से कर चुका था,ताकि 'भारती कम्यूनिके असली मालिक की कानूनी वारिस ब
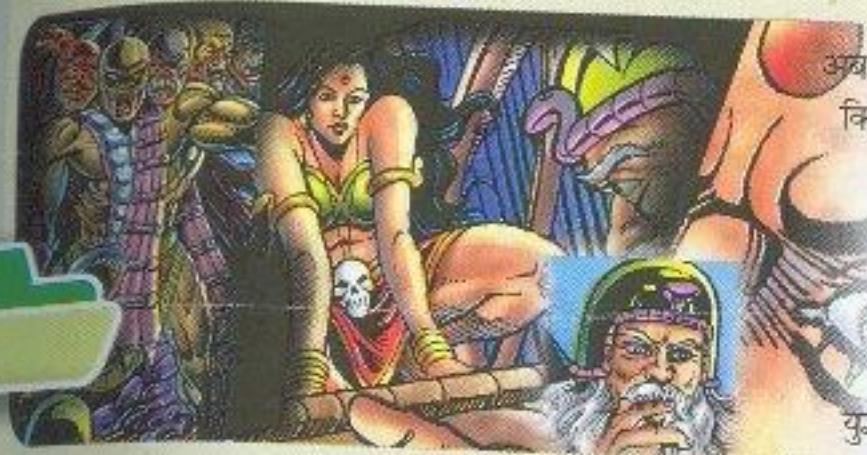
अब नागपाशा बन चुका था क्रूरपाशा ! क्रूरपाशा चकित था कि अदृश्य ब्लैक पॉवर्स को मानव कैसे देख पाते हैं। यह राज खोला वहां पर अचानक आ धमकी नगीना ने ! यह काम मानवों के बीच में सदियों से रहते आए वे इच्छाधारी नाग कर रहे हैं जो मानव रूप में ही रहते हैं। वे ब्लैक पॉवर्स को देख भी सकते हैं और नष्ट भी कर सकते हैं। अगर क्रूरपाशा को ये युद्ध जीतना है तो उसे नाग जाति से दोस्ती करनी होगी।

उधर ध्रुव ने भी अपनी जिंदगी में हो रहे बदलावों की कहानी भारती को सुनाई। न जाने क्यों उसकी पत्नी नताशा ने उसके बेटे के साथ ध्रुव से अलग रहने की ठान ली थी। इसी दौरान वहां पर आए बाबा गोरखनाथ ने बताया कि ब्लैक पॉवर्स से निर्णायक युद्ध का समय आ गया है। ध्रुव के साथ नागराज को लेकर एक अंजान स्थान के लिए निकल पड़े।

गोरखनाथ दोनों महायोद्धाओं को लेकर आयुध क्षेत्र में पहुंचे। वहां पर नागराज और ध्रुव को आयुध क्षेत्र के संचालक गुरु द्रोण ने महाआयुधों का प्रशिक्षण दिया और फिर वे महाअस्त्र उन दो वस्त्रों में समा गए जिनको ध्रुव और नागराज ने अपने शरीर पर धारण कर लिया! अब उनकी अगली मंजिल मूलक्षेत्र थी जहां पर होने वाले विसर्पी के स्वयंवर को नागराज को जीतना था।

नगीना भी क्रूरपाशा और गुरुदेव को लेकर मूलक्षेत्र पहुंची। विसर्पी को पता चला कि क्रूरपाशा और नागराज भी उसके स्वयंवर के लिए आए हैं। विसर्पी नागराज से रुष्ट थी। पर वह क्रूरपाशा को भी पति नहीं मान सकती थी। समस्या ध्रुव के साथ भी गम्भीर थी। नगीना ने गीना के रूप में नताशा से उसका डिवोर्स करा दिया था।
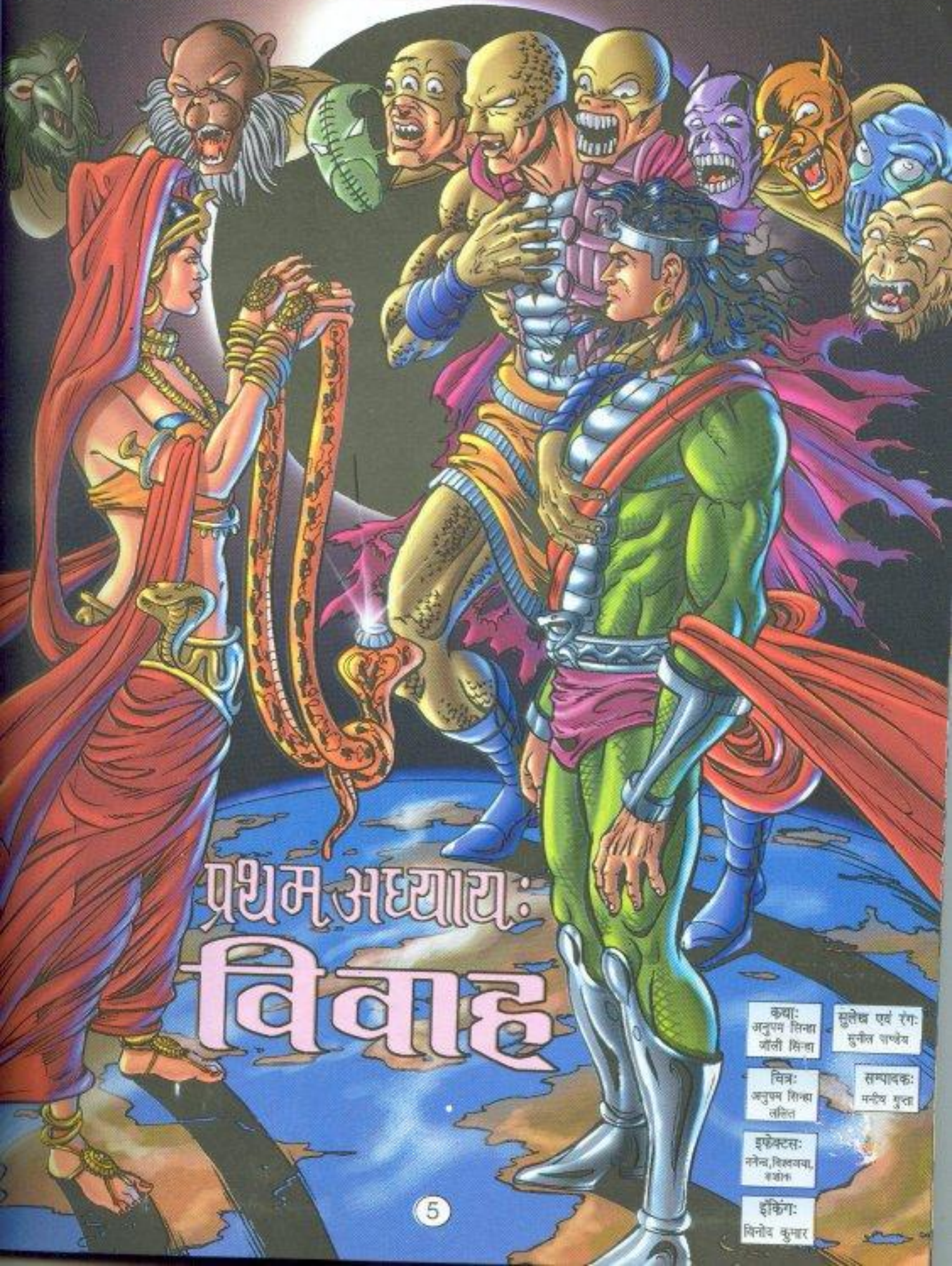
संजय गुप्ता की पेशकश
प्रथम अध्यायः
विवाह
कथाः अनुपम सिन्हा जॉली सिन्हा
सुलेख एवं रंगः सुनील पाण्डेय
चित्रः अनुपम सिन्हा ललित
सम्पादकः मनीष गुप्ता
इफेक्ट्सः नरेन्द्र, अशोक
इंकिंगः विनोद कुमार

मुलक्षेत्र- जो पहले कभी नागद्वीप के नाम से जाना जाता था-
और जहां पर इस वक्त पूरे संसार के महाबलशाली विषधर विसर्पी का हाथ पाने की चाहत में आए हुए थे-
पर मन ही मन में सभी जानते थे कि यह मुकाबला तो असल में दो ही महाविषधरों के बीच में है-
ब्लैक पॉवर्स के सम्राट अमर नागपाशा और प्रलयंकारी विषधारी नागराज के बीच में-
पर ये मुकाबला स्वयंवर के लिए नियत स्थान वेधशाला के बाहर ही शुरू हो चुका था-
ये स्वयंवर की पवित्र घड़ी है और इस निष्पक्ष स्थान पर हम कोई खून-खराबा नहीं चाहते !
आप दोनों ही हमारे अतिथि हैं ! आपको अगर बल का प्रदर्शन करना ही है तो कृपया वेधशाला के अंदर करें ! वर्ना मुझे दुःख के साथ आप दोनों को स्वयंवर के लिए अयोग्य करार देना पड़ेगा !
तुम एक बार फिर बच गए, नागराज !
धन्यवाद करो अमात्य का ! वर्ना आज तुम्हारा अमृत भी तुमको नहीं बचा पाता !
अब हमारा सामना विसर्पी के हाथ के लिए होगा !

वेधशाला
स्वयंवर में पधारे सभी प्रतियोगियों का स्वागत है! ये नागखंड की कुमारी विसर्पी का स्वयंवर है। जो भी इस प्रतियोगिता की शर्तों को जीतकर हमारी राजकुमारी का हाथ जीतेगा, नागजाति उसका अधिपत्य स्वीकार करेगी।
प्रतियोगिता साधारण सी है। प्रतियोगी को केन्द्र में रखी देव कालजयी की तलवार संहारक को उठाकर केन्द्र पर फैले फन को एक बार में काटना है।
इस तलवार को महात्मा कालदूत के अलावा सिर्फ कुमारी विसर्पी ने उठाया हुआ है! इसीलिए अपने आपको हमारी कुमारी के योग्य सिद्ध करने के लिए प्रतियोगी को ये शर्त पुरी करनी है!
ये तलवार ब्रह्मांड की सबसे भारी धातु गर्भीरा से बनी है! ये जानने के बाद जो प्रतियोगी स्वयंवर छोड़कर जाना चाहें जा सकते हैं!

तेरा तो काम बन गया क्रूरपाशा!
'तेरा नहीं' गुरू 'आपका' बोलो!
आपका? अच्छा आपका काम तो बन गया! क्योंकि तेरे..आपके अलावा उस ब्लैक मैटर से बनी तलवार को भला कौन उठा सकता है जिसके एक चम्मच पदार्थ का वजन सौ हाथियों के बराबर होता है!
सही कहा गुरू! पर आज हम उस युग में जी रहे हैं जिसमें मानवों के अलावा और भी कई प्रजातियों में तेज गति से विकास हो रहा है!
और इस विकास में किसमें कितनी शक्ति पैदा हो रही है उसका मुझे न तो पता है और न ही उस पर भरोसा! अगर मुझसे पहले किसी और ने तलवार उठा ली तो! नहीं... नहीं! मैं कोई चांस नहीं लूंगा!
मुझे विसर्पी से शादी करनी है! हर कीमत पर!
पर तू... आप... उठ क्यों रहा है? मतलब रहे हैं?
पहले प्रतियोगी गजमपति मंच पर पधारें!
तलवार टूट जाए तो मुझे दोष मत देना...
उम्मफ! ये तो हिलती तक नहीं!
ऊंSSS
धोखा है! कोई भी चीज इतनी भारी नहीं हो सकती कि गजमपति उसे हिला भी न सके!
ये शादी फिक्स है!
अगले प्रतियोगी...
...क्रूरपाशा पधार रहे हैं! किसी को एतराज है तो वह खड़ा हो जाए!
उसे मैं गिरा दूंगा!

ओ नहीं!
शाबाश चेले!
अ... सम्राट!
आऽऽऽह! ये तो बहुत भारी है! और शक्ति चाहिए!
जीत गया, क्रूरपाशा जीत गया!
ठहरिए! अभी फन को काटना शेष है!

27611410 email: bizdev@rajcomics.com

जब क्रूरपाशा असफल हो गया तो हमारी क्या बिसात है!
सब वापस जा रहे हैं!
क्या इस धरती पर ऐसा कोई भी बलवान नहीं है जो इस तलवार को उठाकर नागफन को काट सके!
चलो! अब यहां क्या धरा है?
है! इसी धरती पर है, और आपके सामने है!
नागराज! अगर तुम इस तलवार को उठा सके तो ये हमारा सौभाग्य होगा!
और मेरा दुर्भाग्य! मुझे एक धोखेबाज के साथ जीवन बिताना मंजूर नहीं है!
लेकिन मुझे तो ये स्वयंवर तुम्हारे लिए ही जीतना है विसर्पी!
क्योंकि मैं अभी भी...
...तुमसे बहुत प्यार करता हूं!
ओफ्! तुमने ये क्या कह दिया?
प्यार तो मैंने भी तुम्हें बेहिसाब किया है! लेकिन उन जख्मों को मैं कैसे भूल जाऊं जो तुमने मुझे दिए हैं! मेरा एक मन कह रहा है कि तुम मुझे जीतलो पर दूसरा मन ये चाहता है कि मैं कभी तुम्हारी शक्ल तक न देखूं!

अद्‌भुत है ये तलवार! इतनी भारी होने के बावजूद भी फूल की तरह उड़कर फिर से अपने स्थान पर आ टिकी है!
पहले मैं कालजयी जी के इस महाआयुध को प्रणाम करता हूं...
और फिर इस तलवार को उठाने का प्रयत्न करूंगा!
उम्ममफ़!
फिर भी नागराज को ये काम करना ही होगा, ध्रुव! उसके हाथों में सिर्फ इस तलवार का भार नहीं बल्कि पूरे ब्रह्मांड का भविष्य टिका है!
उसे सफल होना ही है!
नागशक्तियां मदद करें! आऽऽऽह!
क्या नागराज सफल हो पाएगा बाबा? कई सर्प शक्तियां पहले ही उसका साथ छोड़कर उसे कमजोर बना चुकी हैं!
और क्रूरपाशा की तरह नागराज दस हाथ पैदा नहीं कर सकता!
नागराज ने तलवार को उठा लिया है! अद्‌भुत!
पर मुश्किल काम तो अभी बचा है!
फन को काटना!

अगर नागराज ने फन को काट दिया तो समझ ले कि तेरे सिर कट गए, सम्राट!
आऽऽऽ ह! ये फन बहुत फुर्तीला है! बगैर स्थिर हुए इसको काटना असंभव है!
और साथ ही साथ ये तलवार और भारी लग रही है! शायद मेरे हाथ थक रहे हैं!
अगर ये फन नहीं रुका तो मेरी धड़कन रुक जाएगी! विसर्पी का हाथ हमेशा के लिए मेरे हाथों से छूट जाएगा! ऐसा नहीं हो सकता!
फन को काटना असंभव है, गुरुदेव! वैसे भी नागराज दो पल से ज्यादा तलवार को थामे नहीं रख पाएगा!
सबकी नजरें नागराज पर थीं-
सिवाए एक के-
एक दिल कहता है कि नागराज जीत जाए! पर दूसरा दिल ये चाह रहा है कि ये हार जाए। और मैं दोनों में से कुछ भी होता नहीं देख सकती!
नागराज का ध्यान ध्रुव के इशारे से भंग हुआ।
ध्रुव हथेली को दबा रहा है। ये मुझे इशारा कर रहा है!
पर क्या?
13

मैं समझ गया! ये मुझे प्रेशर डालने को कह रहा है! यह फन तब तक स्थिर था जब तक तलवार अपने स्थान पर थी! तलवार का भारी दबाव इसको हिलने से रोक रहा था! वह दबाव अब मुझे उसीस्थान पर दोबारा डालना है!
फन स्थिर हो गया-
हमेशा के लिए-
दबाव पड़ते ही-
येऽऽऽ
सत्यानाश!
शाबाश, नागराज!
चलो यहां से!

येsss! नागराज जीत गया!
बधाई हो! बधाई हो!
शांत रहें! कृपया शांत रहें! अभी नागराज ने सिर्फ विवाह की शर्तों को पूरा किया है! अभी विवाह की औपचारिक घोषणा होनी बाकी है!
और ये कार्य कुछ औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद ही किया जा सकता है!
पहली औपचारिकता है वर और वधू की सहमति!
गर्भीरा गायब हो रही है!
हां! क्योंकि इसका उद्देश्य पूरा हो चुका है!
कुमारी विसर्पी और नागराज की जोड़ी अमर रहे!
क्या आपको कुमारी विसर्पी अपनी पत्नी के रूप में आजन्म स्वीकार हैं, श्रीमान नागराज?
स्वीकार हैं!
अब आपकी बारी, कुमारी विसर्पी!
क्या आपको श्रीमान नागराज अपने पति के रूप में आजन्म स्वीकार हैं?
उत्तर दीजिए कुमारी विसर्पी!
नहीं!

ये आप क्या कह रही हैं कुमारी विसर्पी? स्वयंवर की शर्तें पूरी हो चुकी हैं! और स्वयंवर भी दुबारा आयोजित नहीं किया जा सकता!
मुझे अविवाहित रहना स्वीकार है!
फिर आपको क्या आपत्ति है?
अगर आपने अभी इंकार किया तो शायद आपको जीवन भर अविवाहित रहना पड़ेगा।
क्या आपको नागराज पसंद नहीं है?
है!
नागराज पहले से ही शादी शुदा है!
और मैं ऐसे व्यक्ति के साथ जीवन नहीं गुजार सकती!
परन्तु...
मुझे ये विवाह मंजूर नहीं है!
हम... अम... अब ऐसी परिस्थितियों में मैं यह घोषणा करने के लिए बाध्य हूं कि यह विवाह...
ऊ SSSSS
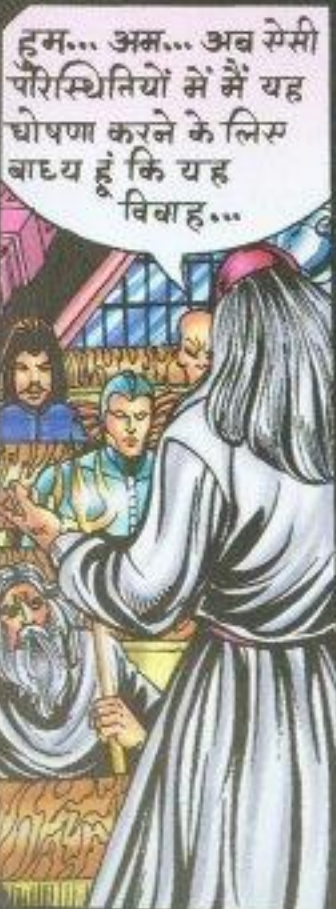
ये... ये भीषण आंधी कहां से आ रही है! ऐसा लग रहा है जैसे वायु क्रोधित हो रही हो!
ऐसी आंधी तो मैंने अपने सैकड़ों वर्षों के जीवन में पहले कभी नहीं देखी!
इसका प्रचंड वेग तो मूलक्षेत्र को उजाड़ देगा!
यह आंधी मूलक्षेत्र को नहीं, बल्कि उस प्राणी को उजाड़ देगी जिसने परमपूज्य देव कालजयी की पवित्र तलवार गर्भीरा को नष्ट किया है!
क्योंकि यह हमारे क्रोध की आंधी है!
महात्मा कालदूत!
इतने वर्षों के बाद!
ये अब तक थे कहां पर?
प... प्रणाम स्वीकार करें महात्मा कालदूत!
परन्तु आपको यह कैसे पता चला कि गर्भीरा नष्ट हो गई है?
हमने आकाश में गर्भीरा को प्रकाश पुंज के रूप में जाते देखा है! परन्तु यहां पर तो फनफैला का शीश भी कटा पड़ा है!
किसने गर्भीरा और फनफैला जैसी पवित्र वस्तुओं को नष्ट करने का अपराध किया है!

ये गुस्ताखी अंजाने में मुझसे हुई है, महात्मा कालदूत!
प्रणाम स्वीकार करें!
तुमने, नागराज? तुमने?
हां, महात्मन्! मेरा प्रणाम स्वीकार करें!
प्रणाम?
प्रणाम नहीं! पर तुम अगर हमें अपना सिर दोगे तो हम अवश्य स्वीकार करेंगे!
परन्तु मैंने कहा न कि मैंने अंजाने में...
कोई दूसरा अगर ये बात कहता तो शायद हम मान भी लेते और उसको क्षमा भी कर देते!
परन्तु तुम! तुम तो एक जिम्मेदार व्यक्ति हो! बल्कि हम तो तुमको नागद्वीप का सम्राट बनाने जा रहे थे!
अगर ये अपराध तुमसे अंजाने में हुआ है तो तुमको अंजान रहने की सजा भुगतनी होगी!
और तुमने ही नागद्वीप की दो पवित्र वस्तुओं को नष्ट कर दिया!
मुझे आपका हर फैसला स्वीकार है महात्मन्!
कुछ करो विसर्पी! महात्मा बहुत क्रोध में हैं! वे नागराज की जान ले लेंगे!
इस वक्त वे किसी की नहीं सुनेंगे! नागराज चाहे तो महात्मा कालदूत तक को बड़ी टक्कर दे सकता है! पर उसकी विनम्रता उसको महात्मा कालदूत का सामना करने से रोक रही है!
अब महात्मा मेरे रोकने से भी नहीं रुकेंगे, विषारवा!
अगर आप भी महात्मा को नहीं रोकेंगी तो भला उनको कौन रोकेगा?

आप बेकार में क्यों गुस्सा हो रहे हैं महात्मा कालदूत?
अगर आपको गला साफ करना है तो ऐसा आप सिर्फ खांस कर भी कर सकते हैं!
तू... तू... तो...
ध्रुव हूं! आपसे एक-दो बार पहले भी मिल चुका हूं! प्रणाम करता हूं!
तुझे मैं पहचानता हूं!
अभी मैं इतना बूढ़ा नहीं हुआ कि मेरी याददाश्त कमजोर हो जाए!
लेकिन मैंने सुना है कि इतना ज्यादा गुस्सा बुढ़ापे में ही आता है!
क्या बक रहा है तू? हमारा अपमान कर रहा है?
गोरखनाथ! चुप करा लो इसे! वर्ना नागराज से पहले ये मारा जाएगा!
ये सत्य कह रहा है, कालदूत! और सच को खामोश करना कम से कम मेरे वश में तो नहीं है!
अपमान तो आप हमारा कर रहे हैं! हम वर पक्ष वाले हैं! और इस विवाह में अड़ंगा डालकर आप हमारा अपमान कर रहे हैं!
यानी... यानी आप कुछ नहीं बोलेंगे?
आपके यहां रहते ये कार्य करने की मुझे आवश्यकता भी नहीं है!

देखिए, महात्मन्! नागराज ने सिर्फ विवाह की शर्त पूरी की है! और ये शर्त आपके नागद्वीप वालों ने ही रखी थी! क्रोधित होना है तो उन पर होइए!
अगर ये कुंए में कूदने की शर्त रखते तो भी क्या तुम मान जाते!
मैं नहीं, ये नागराज! हां, ये मान जाता!
एक समझदार प्राणी को शर्तें भी देख सुन-कर माननी चाहिए!
गलत करता!
इस कृत्य का एक ही पश्चाताप है!
नागराज ने जिस उद्देश्य के लिए पवित्र तलवार को नष्ट किया है, वह पूरा नहीं होगा!
ये विवाह नहीं होगा!
अब आप सब जाइए!
रवाना तक नहीं मिला!
हमारे नगर में बारात को बिना वधू के वापस ले आने की परंपरा नहीं है!
अब अगर आप आज्ञा दें या रास्ता छोड़ें तो...
बस! मैंने बहुत सब्र कर लिया! अब तुम्हारा इस दुनिया को छोड़ने का वक्त आ गया है!
मैं आपका सम्मान अवश्य करता हूं महात्मा कालदूत, लेकिन बात अगर टकराव तक आ ही गई है...

तो मैं भी पैर पीछे हटाने वालों में से नहीं हूं!
जान जाए तो जाए, सम्मान नहीं जाने दूंगा!
तो फिर आज तेरा विवाह मृत्यु से होगा!
रुक जाओ ध्रुव! मैं इन्हें समझाता हूं!
समझने के लिए इनको पहले क्रोध त्यागना पड़ेगा! और मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा!
वैसे भी! जिनकी तलवार नष्ट हुई है वे देव कालजयी तो कुछ कर नहीं रहे हैं! फिर महात्मा कालदूत क्यों इतना गुस्सा हो रहे हैं?
विसर्पी कुछ कहिए! आप अभी भी नागद्वीप की शासक हैं! और इस नाते महात्मा को आपकी बात माननी ही पड़ेगी!
और जब वे मान जाएंगे तो मुझे नागराज से शादी करनी पड़ेगी!
न बाबा न! मैं बीच में नहीं पड़ूंगी!
दोनों तरफ से महाआयुध तन चुके थे-
और कोई भी पैर पीछे हटाने को तैयार नहीं था-
ओह! लगता है तुमने द्रोण से शिक्षा पाई है!
तत्त्वायुधों का प्रयोग करना तो सिर्फ वही सिखा सकता है!
शाबाश!
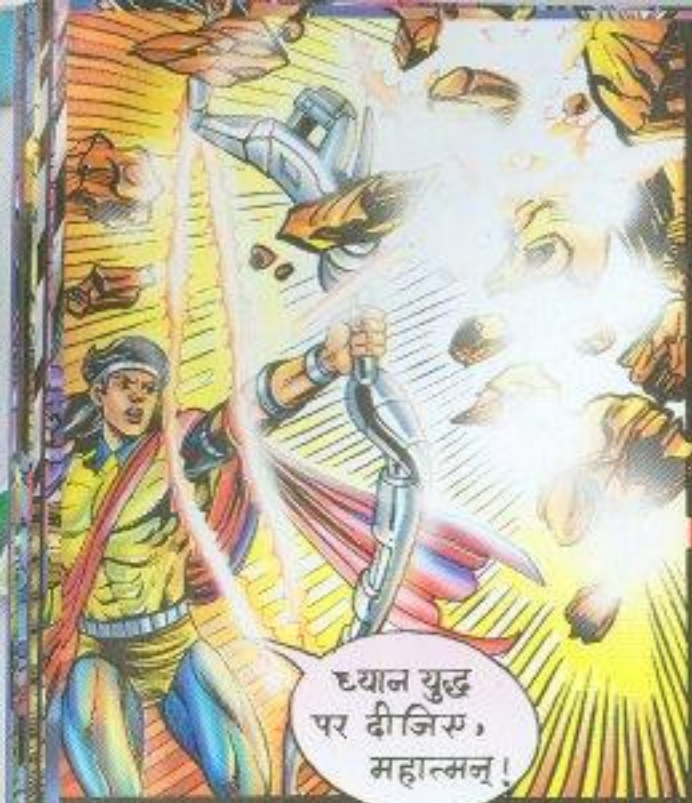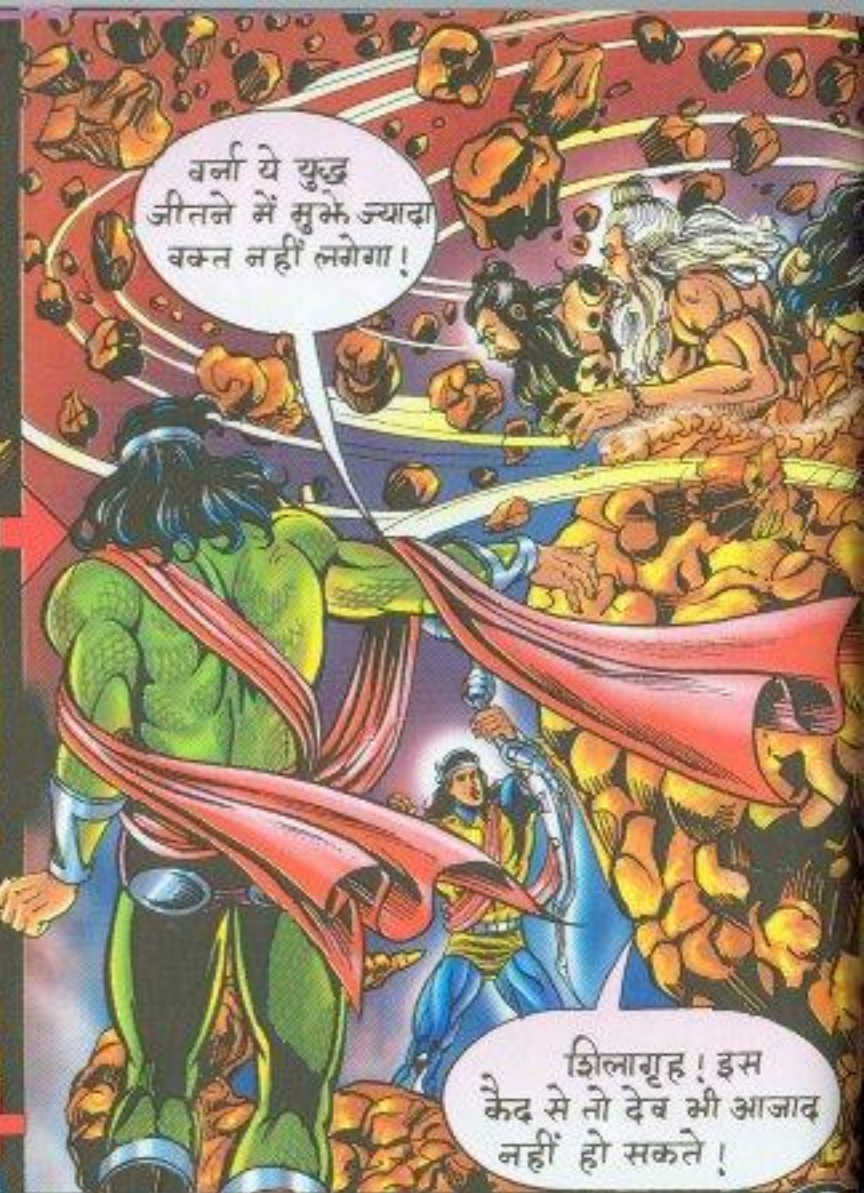
ध्यान युद्ध पर दीजिए, महात्मन्!
वर्ना ये युद्ध जीतने में मुझे ज्यादा वक्त नहीं लगेगा!
पर मैं देव नहीं हूं कालदूत हूं!
शिलागृह! इस कैद से तो देव भी आजाद नहीं हो सकते!
अब बता, ध्रुव! इस बार का तेरे पास कोई जवाब है या नहीं?
कालसर्पी का वार था वह-
और कालसर्पी के पास एक खास शक्ति थी-

उस पर किसी आयुध का कोई असर नहीं होता था-
और वह अपने शिकार को कभी नहीं छोड़ती थी-
महाशक्तियों का प्रयोग करने के बावजूद भी...
...ध्रुव की जान खतरे में थी-
पर नागराज के रहते नहीं-
ध्रुव! हट जाओ! ये कालसर्पी है!
नागराज!
कालसर्पी का शिकार बदल गया था-
आऽऽऽऽ
ओह!
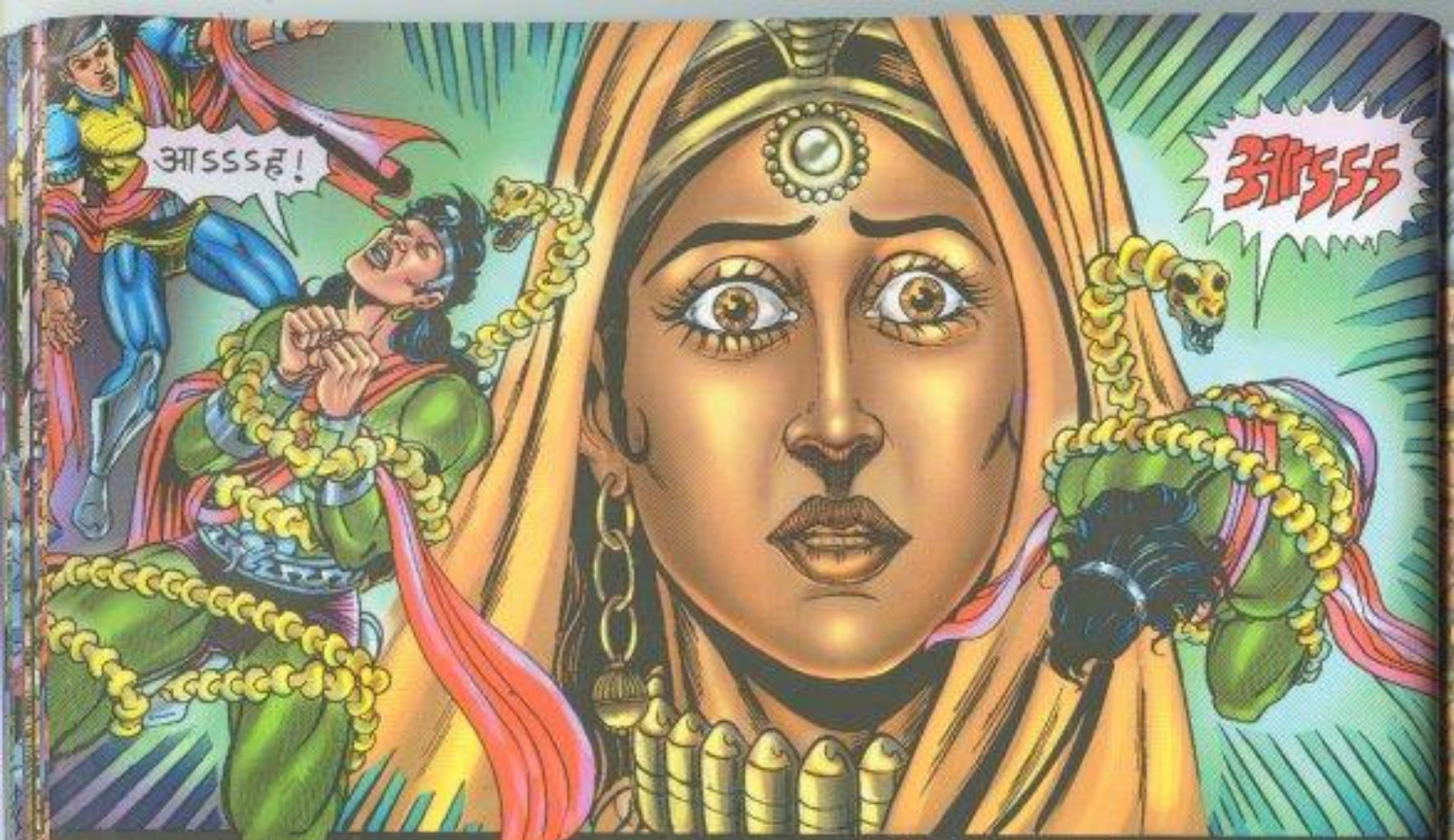
आssssह!
आssss
नागराज!
नागराज को छोड़ दीजिए, महात्मन्!
कालसर्पी को वापस बुलाइए!
नागद्वीप की शासक नागद्वीप की एक पवित्र वस्तु को नष्ट करने वाले को क्षमादान दे रही है? क्यों?
क्योंकि...
ये मेरे होने वाले पति हैं!

पति? यानी तुम इससे... नागराज से विवाह करने को तैयार हो?
ह... हाँ, महात्मन्!
तब तो हमें इसका अपराध क्षमा करना ही पड़ेगा! भला हम तुम्हारा होने वाला सुहाग कैसे उजाड़ सकते हैं!
पर ये क्षमादान हम एक शर्त पर देंगे!
कैसी शर्त महात्मन्?
तुम्हारा कन्यादान मैं करूंगा!
स्वीकार है महात्मन्! अब आप नागराज को आज़ाद करें!
ये क्या हरकत है नागराज?
कालसर्पी तुम्हारी जान लेने ही वाली थी!
मैं जानता था कि तुम मुझे बचाने जरूर आओगी!
और तुमने आज़ाद होने की कोशिश तक नहीं की!
ज्यादा खुश होने की जरूरत नहीं है! ऐसा फैसला मुझे तुम्हारी जान बचाने के लिए लेना तो पड़ा!
पर ऐसा करके अब मैं फंस गई हूं!
कैसे?
मैंने सोचा था कि मेरे ऐसा करने पर कालदूत तुमको जीवित छोड़कर चले जाएंगे!
पर अब तो महात्मा कालदूत मेरे कन्यादान पर अड़ गए हैं!
अब तो मुझे मजबूरन विवाह करना ही पड़ेगा!
वर्ना...
और मुझे तुमसे सचमुच विवाह करने की जरूरत नहीं पड़ेगी!
महात्मा मेरी जान ले लेंगे! तो ले लेने दो न उनको मेरी जान!
मुझे तुमसे नफरत है! तुम्हारी जान से नहीं!
तो मैं बारात लेकर आऊं?
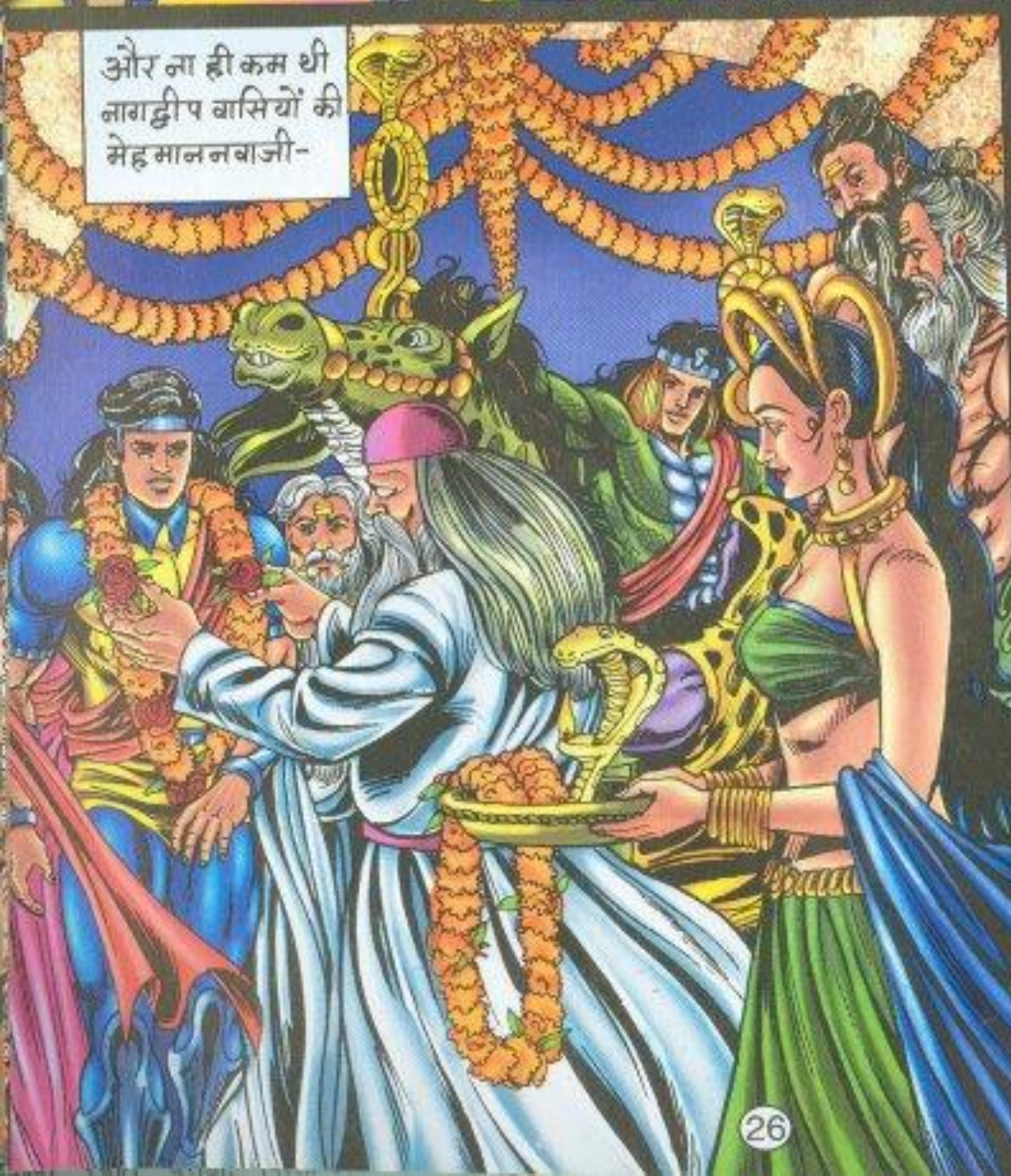
महाभव्य विवाह था वह -
नागराज की बारात शिवजी की बारात से किसी मायने में कम नहीं थी-
और ना ही कम थी नागद्वीप वासियों की मेहमाननवाजी-
भावनाओं की भी कोई कमी नहीं थी-
मुबारक हो!
बधाई हो!

नागराज और विसर्पी का विवाह संपन्न हुआ!
आज तुम्हारा कन्या-दान करके मेरी सदियों की तमन्ना पूरी हो गई विसर्पी!
पर आप इतने वर्षों तक थे कहां पर महात्मन् ? आप तो ये कहकर गए थे कि मैं अपने अंत का सामना करने जा रहा हूं!
मैं अभी तक वही कर रहा हूं विसर्पी! और...
मुलाकात का वक्त समाप्त हुआ कालदूत...
... वापस जाने का समय आ गया है!
विषाला! आपकी जानी दुश्मन! क्या अब ये आपके साथ है?
लंबी कहानी है विसर्पी। अगर कभी वापस आ पाया तो जरूर सुनाऊंगा।
विदा!
अब विसर्पी को भी विदा करें! हमारा भी जाने का वक्त आ गया है!
कुमारी विसर्पी को कल विदा किया जाएगा गोरखनाथ जी! आज हम नागराज को कुछ खास चीज बताना चाहते हैं! या यूं कहें कि दिखाना चाहते हैं!
परन्तु परसों इस क्षेत्र में पूर्ण सूर्य ग्रहण है! और ऐसी घड़ी में नई वधू को घर लाना महा अशुभ होता है! हम नव वधू को उससे पहले घर ले आना चाहते हैं!
चिन्ता न करें गोरखनाथ! आप कल यहां से चलेंगे और कल ही अपने घर पहुंच जाएंगे!

अब आप विश्राम करें! आपके और ध्रुव के आराम का इंतजाम खास राजनागगृह में किया गया है!
हमारे अनुचर आपको वहां ले जाएंगे!
आप मेरे साथ आएं नागराज!
कुमारी विसर्पी को विदा करने से पहले हम तुमको मूलक्षेत्र का दौरा कराना चाहते हैं!
नागद्वीप का नाम मूलक्षेत्र कैसे पड़ गया अमात्य?
पिछले बीस सालों से समुद्र के बढ़ते जलस्तर के कारण नागद्वीप का एक बड़ा हिस्सा पानी के नीचे जा चुका है! इसी कारण यहां रहने वाली कई नागबस्तियों को दूसरी जगहों पर जाकर बसने के लिए मजबूर होना पड़ा है! अब जो नागद्वीप का इलाका बचा है वह सिर्फ मूलक्षेत्र का इलाका है! इसी लिए हम इसको मूलक्षेत्र ही कहते हैं!
यानी मूलक्षेत्र नागद्वीप का ही एक हिस्सा है, अमात्य! और नागद्वीप का मैंने चप्पा-चप्पा छाना हुआ है! अब देखने के लिए क्या-बचा हुआ है!
बहुत कुछ नागराज! बहुत कुछ! इस विवाह के बाद अब तुम्हारी भी जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं और हमारी भी!
ये विवाह सिर्फ तुम दोनों के ही नहीं बल्कि मानवों और इच्छाधारी नागों के बीच में भी एक नए संबंधों की शुरुआत है! अब नागजाति ब्लैक पॉवर्स के खिलाफ, पवित्र शक्तियों वाले मानवों का साथ देने के लिए बाध्य हो गई है!
पर इसके लिए तुमको यह समझना जरूरी है कि नागजाति यह मदद कैसे करेगी! क्योंकि अब तुम ही पवित्र शक्तिधारक मानवों का भी प्रतिनिधित्व करोगे और नागों का भी!
मैं कुछ समझ नहीं पा रहा हूं!
अभी समझ जाओगे! देखो ये मूलक्षेत्र है!
सुनसान और वीरान यहां पर मैं क्या देखूं?
ये!
अरे! ये द्वार कहां से प्रकट हो गए?

यही खुलक्षेत्र है नागराज! आओ! आज तुम नागद्वीप का सही मकसद समझने जा रहे हो!
नागजाति से संबंध जोड़ने के बाद तुम यह राज जानने के हकदार हो गए हो!
आओ!
ओह!
ये... ये तो एक विशाल... ह्यूज कमांड सेंटर लगता है!
ये कब बनाया गया?
सदियों पहले! पर हां, समय-समय पर इसमें नए-नए यंत्र लगाए जाते हैं!
पर ये सब किसलिए है? यहां से आप किसको नियंत्रित करते हैं?
दुनिया भर में फैले इच्छाधारी एजेंटों को! और ये सारा इंतज़ाम मानवों के लिए है!
इस पृथ्वी के लिए है!
वो कैसे?
इच्छाधारी नाग सदियों से मानवों के बीच में मानव रूप में ही रहते आए हैं! कई बड़े उद्योगपति, खिलाड़ी, एक्टर, प्रोफेसर, डॉक्टर और चित्रकार इच्छाधारी सर्प हैं! और समय-समय पर हम अपनी चमत्कारी शक्तियों से मानवों की बाधा दूर करते आए हैं! पर ऐसा हम गुप्त रूप में रहकर करते हैं! हमारे नियम हमको मानवों के सामने आने की इजाजत नहीं देते!

तुमको यह जानकर आश्चर्य होगा कि अमेरिकी सेना के जनरल रोजर भी एक इच्छाधारी सर्प ही हैं जो हमेशा मूलक्षेत्र के संपर्क में रहते हैं!
ये केन्द्र यानी मूलक्षेत्र ऐसे सभी एजेंटों के संपर्क में रहता है और समय-समय पर उनको दिशा निर्देश जारी करता रहता है!
कमाल है! इतना बड़ा रहस्य मुझसे छुपा कैसे रहा? पर सर्प, मानवों की मदद क्यों करते हैं?
सर्पों के पास चमत्कारी शक्तियां तो हैं पर बुद्धि में हम मानवों की बराबरी नहीं कर सकते।
और हम नहीं चाहते कि जिस बुद्धिमान प्रजाति को विकसित होने में करोड़ों वर्ष लगे हैं वह प्रगति की राह से हटकर विनाश की राह पर चल पड़े!
हमने कई बार युद्धों को रोका है, और कई बार बुरी शक्तियों के खिलाफ अच्छी शक्तियों का साथ दिया है!
बस, नियमों से बंधे होने के कारण हम पहले किसी लड़ाई में खुद नहीं उतर सकते थे!
ब्लैक पॉवर्स के खिलाफ की जंग में भी हम अभी तक मानवों को सिर्फ ब्लैक पॉवर्स की सूचनाएं देकर काम चला लेते थे!
पर अब नागजाति का संबंध तुम्हारे जरिए मानव जाति से जुड़ गया है! अब हम खुलकर पवित्र शक्तियों का साथ दे सकते हैं, और ब्लैक पॉवर्स को नेस्तनाबूद कर सकते हैं!
और इस लड़ाई में मानवों के साथ-साथ नागशक्तियों का नेतृत्त्व भी तुमको ही करना है नागराज!
यानी अगर नागपाशा स्वयंवर जीत जाता तो नागजाति ब्लैक पॉवर्स का साथ देती?
अवश्य! क्योंकि अपने संबंधियों की रक्षा करना भी नागजाति का पहला धर्म है!
पर जो हुआ नहीं, उसके बारे में हम बात ही क्यों करें?
अब तो ब्लैक पॉवर्स से आर-पार का संग्राम है और इसमें मानवों के साथ तुम नागशक्ति का भी नेतृत्त्व करोगे!

इस संभावित युद्ध की चालें हर स्तर पर चली जा रही थीं-
और मोहरे इस बात से कतई अंजान थे कि उनको चलाने वाला कोई और ही है-
आई डोंट बिलीव दिस! अगर मैं इसको सही पहचान रही हूं तो ये नगीना है! ... और अगर ये नगीना है तो इसके इरादे भी विषबुझे ही होंगे!
पर नागिन चाहे कितनी भी चालाक हो...
... वह बिल्ली को मात नहीं दे सकती!
और ब्लैक कैट को तो कभी नहीं!
लेकिन बिल्लियां अपने कदम चुपचाप उठाती हैं!
इसीलिए मेरा भी पहला कदम शांति से समझाना-बुझाना ही होना चाहिए!
चल ऋषि! अब हमको नानाजी के पास जाने से कोई नहीं रोक सकता!
वे तुमको देखकर बहुत खुश होंगे!
पर आश्चर्य की बात ये है कि तुमको ध्रुव के दुःख से ज्यादा परवाह रेबो की खुशी की है!
रिचा!
बड़े दिनों बाद मेरी जिन्दगी में जहर घोलने आई हो!
हाए, ऋषि!
पर ध्रुव इस बात से बहुत दुखी होगा!
जहर खत्म हो गया था क्या?

मेरे पास जहर कभी था ही नहीं!
ध्रुव को चाहना मेरा बुरा चाहना ही है, रिचा!
तुम मुझे हमेशा से गलत समझती आई हो, नताशा! मैंने कभी तुम्हारा बुरा नहीं चाहा!
तुमने हमेशा से ही ध्रुव को मुझसे चुराना चाहा है!
ऊपर से तुम चाहे बदल गई हो! पर अंदर से अभी भी तुम वही हो!
एक चोर! ब्लैक कैट!
मैं तुमसे लड़ने नहीं आई हूं नताशा, कुछ समझाने आई हूं!
और तुम मेरे पर्सनल मैटर्स में टांग अड़ाना छोड़ दो!
ध्रुव से अलग होने का और उसको उसके बेटे से अलग करने का इरादा छोड़ दो नताशा!
इसमें तुम तीनों का ही नुकसान है!
अब जब मुझे अपने बच्चे की इंडिपेंडेंट कस्टडी मिल गई है तो तुम मुझसे जल रही हो!
तुमको कस्टडी मिली नहीं, दिलवाई गई है! इसके पीछे कोई बड़ा षड्यंत्र है नताशा!
षड्यंत्र?
हां! जानती हो कि जिस वकील ने तुमको कस्टडी दिलवाई है, वह एक...
...विलेन है! या कहो वैम्प है।जो मुझे कस्टडी दिलाएगा खुशी दिलाएगा, वह तुम्हारे लिए तो विलेन ही होगा!
क्या तुम यहां पर मुझको यही कहानी सुनाने आई थी?
मैं तो पेपर में तुम्हारे कस्टडी के बारे में पढ़कर तुमको समझाने आई थी!
पर लगता है कि अब मैं जो कुछ भी कहूंगी, तुम उसे झूठ ही मानोगी!
इसीलिए तुमको सच का आइना दिखाने का कोई और रास्ता ढूंढना पड़ेगा!

जस्ट बी केयरफुल, रिचा! मेरा नाम नताशा है! रोबो फोर्स की एक्स कमांडर नताशा!
आज भी अगर मैंने लेसरगन उठा ली तो तुम्हारे दिल में छेद होते देर नहीं लगेगी!
वैसे भी, ये सच मैं भी जानती हूं और तुम भी जानती हो कि तुम्हारी जिन्दगी अब ज्यादा नहीं बची है!
इसीलिए जो जिन्दगी बची है उसे मुझसे दूर रहकर गुजार लो!
और याद रखना, हमारी इस गलतफहमी का फायदा उठाकर अगर तुमने ध्रुव के करीब आने की कोशिश की तो मैं भूल जाऊंगी कि तुम बीमार हो और मुझे तुम पर तरस खाना चाहिए!
गुडबाय! ट्राई टू बी एलाइव!
मैं जानती हूं नताशा कि मेरी रहस्यमय बीमारी के कारण मेरी जिन्दगी कभी भी खत्म हो सकती है! शायद अगले ही पल!
पर तुम ये नहीं जानती कि इस सच ने मेरे दिल से मौत के डर को निकाल दिया है! इसीलिए तुमको सच्चाई से रू-बरू कराने से मुझे न तो तुम्हारी धमकी डरा सकती है, और न ही रोबो की पूरी रोबो फोर्स!
तुम एक षडयंत्र में फंस रही हो नताशा और उससे तुमको बाहर निकालने की जिम्मेदारी इस बीमार ब्लैक कैट को ही उठानी पड़ेगी!
क्योंकि यह सच्चाई तो तुम खुद नहीं जानती नताशा...
...कि रिचा की जान अब तुम्हारे हाथों में है!

जान पर हक आजमाने की होड़ लगी हुई थी-
ध्रुव को चुप कराने का रास्ता तो मैंने निकाल लिया है! अब तक नागपाशा स्वयंवर जीतकर विसर्पी को अलंघ्या में ले आया होगा! अब नाग-शक्ति को ब्लैक पॉवर्स का साथ देना होगा!
और उनका पहला काम होगा नागराज को मौत के घाट उतारना!
और फिर नागपाशा को वश में करना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा!
और फिर नगीना बनेगी ब्रह्मांड की सम्राज्ञी!
द्वितीय अध्याय: षडयंत्र
पर अलंघ्या में इतना सन्नाटा क्यों है? यहां तो खुशी की चहल-पहल होनी चाहिए थी!
कुछ गड़बड़ जरूर हुई है!
विसर्पी कहां है, नागपाशा?
शायद अपनी ससुराल में!
और उसकी नई ससुराल है कहां?
महानगर में! अब वह मिसेज नागराज बन चुकी है!
नागराज! वह वहां पर कैसे पहुंच गया? कैसे हिम्मत की उसने विसर्पी के साथ विवाह की कोशिश करने की?
वह तो पहले से ही शादी-शुदा है!
उसने कोशिश नहीं की! उसने विवाह कर लिया है!
उसको
गोरखना
लेकर आ
था!

ये बात समझ में आती है! नागराज वहां पर खुद कभी नहीं आता! उसे लाया गया था! और अगर उसको बाबा गोरखनाथ लाया था तो फिर यह समझ लो कि तुम लोगों के दिन पूरे हो गए!
ये तू क्या बक रही है? भला एक गोरखनाथ इतने बड़े और दूर-दूर तक फैले ब्लैक पॉवर्स के जाल को कैसे तोड़ पाएगा!
गोरखनाथ नहीं तोड़ेगा, नाग शक्ति तोड़ेगी!
असंभव!
सम्राट... सम्राट!
क्या हो गया जो तू बगैर इजाजत अंदर घुसा चला आया है?
अंडर ग्राउंड सिटी 45 में लाला रामलाल पकड़ा गया!
लाला रामलाल! यानी लाला रामलाल के रूप में पिछले दो सालों से मानवों के बीच में रहने वाला हमारा शक्तिशाली सैनिक शजीरा! वह पकड़ा गया? पर कैसे?
उसके बारे में तो कोई कुछ नहीं जानता था! किसने पकड़ा उसे?
कुछ टीन एजर्स ने! उनके पास अद्भुत शक्तियां हैं! और वे अपने आपको 'ब्लैक-टर्मिनेटर्स' कहते हैं!
स्थिति साफ है! इच्छाधारी एजेंटों ने ही शजीरा को पहचाना, उसकी निशानदेही की और उसको पकड़ने में उन टीन एजर्स की मदद भी की
अब भी तुम्हारी आंखें खुलीं या नहीं नागपाशा? नाग शक्ति अब खुलकर तुम्हारे खिलाफ सिर उठा रही है!
शजीरा के पकड़े जाने से हमको काफी बड़ा सेटबैक लगेगा, नागपाशा!
असंभव! कुछ मामूली शक्ति वाले बच्चे शजीरा जैसी शक्तिशाली ब्लैक पॉवर को कभी पकड़ नहीं सकते हैं!
प्रेस वालों को तो यही रिपोर्ट दी गई है! पर हमारी जानकारी के मुताबिक इस ऑपरेशन का संचालन दो इंस्पेक्टर कर रहे थे! और वे दोनों मानवों के बीच में रहने वाले इच्छाधारी सर्प थे!
क्योंकि शजीरा उर्फ लाला रामलाल ही तो वह फाइनेंसर था जो उन लोगों को पैसे देकर उनकी ख्वाहिशें पूरी करता था जो ब्लैक पॉवर्स की शरण में आते थे!
हमारे पास ऐसे कई शजीरा हैं!

ये तो सिर्फ एक शुरुआत है, नागपाशा! ऐसे एक-एक करके तुम्हारे सारे ब्लैक एजेंट्स या तो पकड़े जाएंगे या मारे जाएंगे! और यह सिर्फ इसलिए होगा क्योंकि तुम नागशक्ति को अपनी तरफ मिला पाने में असफल रहे हो!
तो अब हम क्या करें?
तुम्हें शायद पता नहीं नगीना कि, गोरखनाथ ने नागराज और ध्रुव को उन महायुधों के प्रयोग में निपुण कर दिया है जिसके सामने ब्लैक पॉवर्स ठहर नहीं सकती! नागराज को मारना असंभव है!
तो फिर विसर्पी को मार डालते हैं!
नागजाति का मानव जाति से संबंध तोड़ दो! विसर्पी को विधवा बना दो!
यानी नागराज को मार डालो? वह भी तब जब ध्रुव उसके साथ है?
नहीं! ऐसा तो सपने में भी मत सोचना!
इस सुझाव पर तुम इतना गुस्सा क्यों हो रही हो, नगीना?
क्योंकि... क्योंकि ऐसा करने से पूरी नागजाति तुम्हारी दुश्मन बन जाएगी!
एक सूरत है! नागराज, विसर्पी को लेकर महानगर जाएगा! अगर हम उसको परसों तक रास्ते में रोक सकें तो काम बन जाएगा!
वो कैसे?
हो सकता है! पर तुम्हारे गुस्से का कारण कुछ और ही था!
क्या है वह कारण?
मेरा इंटरव्यू मत लो! नागराज की मौत के बारे में सोचो!
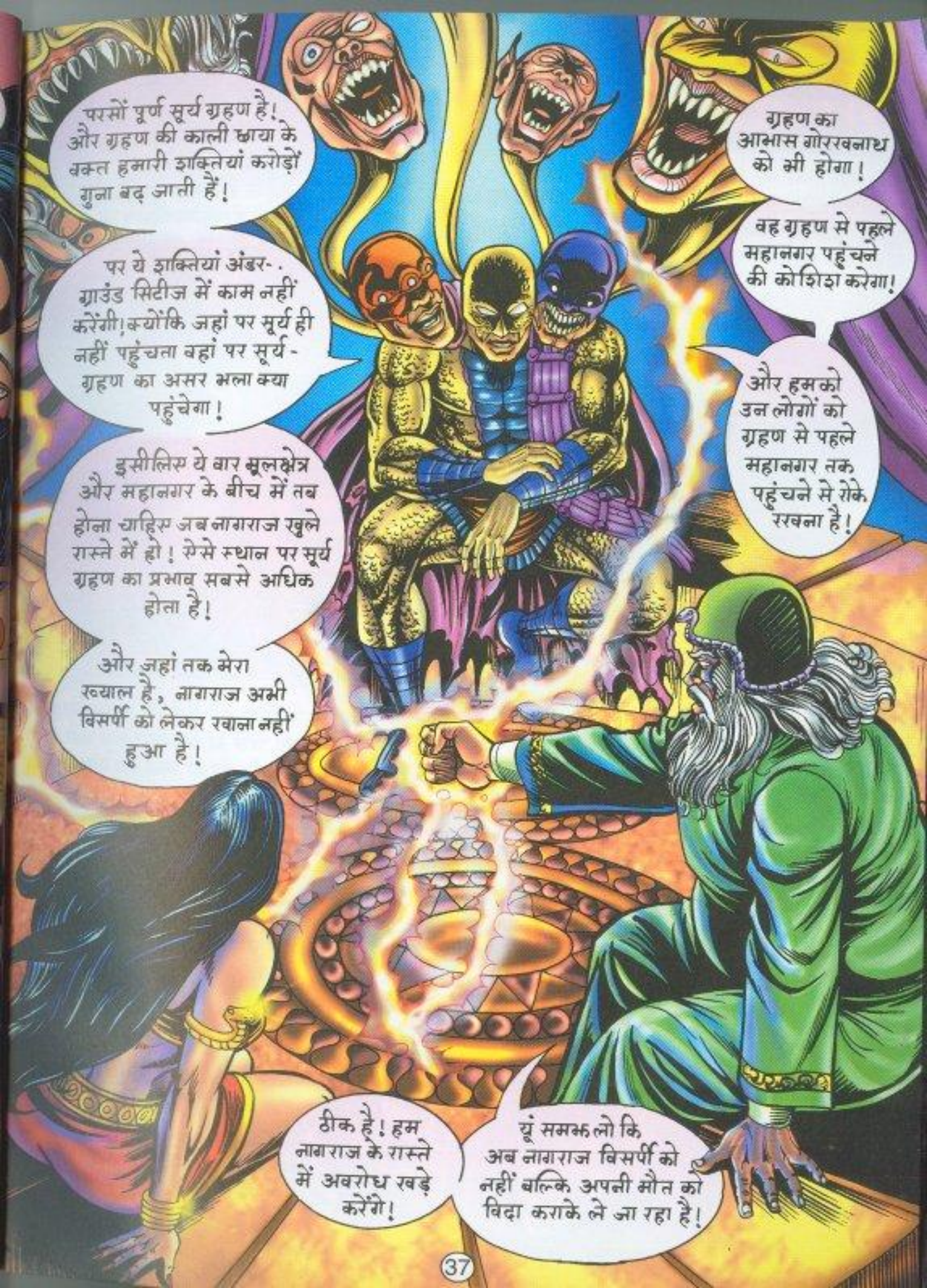
परसों पूर्ण सूर्य ग्रहण है! और ग्रहण की काली छाया के वक्त हमारी शक्तियां करोड़ों गुना बढ़ जाती हैं!
ग्रहण का आभास गोरखनाथ को भी होगा!
वह ग्रहण से पहले महानगर पहुंचने की कोशिश करेगा!
पर ये शक्तियां अंडर-ग्राउंड सिटीज में काम नहीं करेंगी! क्योंकि जहां पर सूर्य ही नहीं पहुंचता वहां पर सूर्य-ग्रहण का असर भला क्या पहुंचेगा!
और हमको उन लोगों को ग्रहण से पहले महानगर तक पहुंचने से रोके रखना है!
इसीलिए ये वार सूलक्षेत्र और महानगर के बीच में तब होना चाहिए जब नागराज खुले रास्ते में हो! ऐसे स्थान पर सूर्य ग्रहण का प्रभाव सबसे अधिक होता है!
और जहां तक मेरा ख्याल है, नागराज अभी विसर्पी को लेकर रवाना नहीं हुआ है!
ठीक है! हम नागराज के रास्ते में अवरोध खड़े करेंगे!
यूं समझ लो कि अब नागराज विसर्पी को नहीं बल्कि अपनी मौत को विदा कराके ले जा रहा है!

तृतीय अध्याय — विदाई

शिकारी तैयार थे-

और 'शिकार' उनके जाल की तरफ बढ़ने वाले थे-

मैंने आप लोगों की मजबूरी के कारण विवाह तो कर लिया अमात्य! पर मुझको मूलक्षेत्र से विदा भी होना पड़ेगा, ऐसा तो मुझे नहीं बताया गया था!

मैं मूलक्षेत्र को छोड़कर कहीं नहीं जाऊंगी!

वैसे भी अगर मैं चली गई तो मेरे पीछे मूलक्षेत्र को संभालेगा कौन?

मैं, दीदी!

तूने तो कहा था कि तू स्वयंवर से पहले आ जाएगा!

पर लगता है तेरी वक्त पर न पहुंचने की पुरानी आदत कभी छूटेगी नहीं!

पर याद रखना, इस बात के लिए मैं तुझसे जिन्दगी भर नाराज रहूंगी।

बोल, क्या सजा दूं?

वो तो मिल गई है दीदी! तुम्हारा विवाह न देख पाने का अफसोस अब मेरी जिन्दगी भर की सजा बन गया है!

अच्छा, जा! माफ किया तुझे!

मुझे पूरा भरोसा है कि तू काम तो संभाल लेगा! पर मैं तुझे दूर बैठे गाइड कैसे करूंगी?

ऐसे! मूलक्षेत्र के सिंहासन पर मैं तुमको हर वक्त बैठाकर रखूंगा!
तुम जो भी संदेश दोगी वह मैं तुम्हारे इस रूप के मुंह से सुनूंगा, और इसी की सिर्फ इसी की बात मानूंगा!
वादा!
पक्का वादा दीदी!
तू बाज नहीं आएगा! पहले अपनी शक्तियों का प्रयोग करके मेरा प्रतिरूप बना लिया, और अब वादे कर करके मुझे यहां से भगाने का पूरा इंतजाम कर रहा है!
ऐसा मत बोलो दीदी! मेरे दिल का एक हिस्सा तो खुश है, पर दूसरा हिस्सा रो रहा है!
नहीं ला पाया तो तुझे बुला लूंगा!
पर तुम तो जल्दी वापस आओगी न?
दीदी को जल्दी वापस लाना, नागराज!
समय हो रहा है! अब चलना चाहिए! हमको सूर्य ग्रहण से पहले महानगर के भूमिगत भाग में पहुंच जाना चाहिए!
आप व्यर्थ ही इतने चिन्तित हो रहे हैं गोरखनाथ! ग्रहण में अभी बाइस घंटे शेष हैं, और यान के द्वारा महानगर पहुंचने में एक घंटे से ज्यादा समय नहीं लगेगा!
आप अगर पैदल भी आएं तो भी इतनी देर में महानगर पहुंच जाएंगे!
फिर भी! आपको जो भी तैयारी करनी है वह कृपया शीघ्रातिशीघ्र करिए!
विदाई में ज्यादा समय नहीं लगा-
क्योंकि ऐसा कोई कंधा था ही नहीं जिस पर सिर रखकर विसर्पी विदाई का दुःख हल्का कर सकती-
न मां का, न बाप का-
और मुंहबोले भाई का कंधा पहले ही गीला हो चुका था-

जाने से पहले एक शंका का निवारण कर दीजिए, अमात्य! आखिर विसर्पी के न चाहने पर भी ये स्वयंवर क्यों रचा गया?
विसर्पी ने यह भी कहा था कि ये विवाह उसने आप लोगों की किसी मजबूरी के कारण किया है! आखिर विवाह की इतनी जल्दी क्या थी?
हम इच्छाधारी नागों की आयु तो हजारों वर्षों की भी हो सकती है, परन्तु किसी नागिन के लिए मां बन सकने की एक आयु सीमा होती है! वह उम्र निकल जाने पर कोई इच्छाधारी नागिन संतान पैदा नहीं कर सकती! और विसर्पी उस आयु सीमा की सीमा रेखा पर खड़ी है!
हमको मूलक्षेत्र का एक वैध वारिस चाहिए! वर्ना नागजाति बिखर जाएगी! विलुप्त हो जाएगी!
अब मूलक्षेत्र को उनका वारिस देने की ज़िम्मेदारी आप पर है, गोरखनाथ!
क्योंकि मैंने सुना है कि नागराज ने भी ये विवाह आपके दबाव में आकर किया है!
इन दोनों के बीच की नफरत को प्यार में बदलना अब आपका काम है!
और साथ में शायद मानव जाति भी! पर मूलक्षेत्र का काम संभालने के लिए युवराज विषांक तो है न!
उनमें सम्राट मणिराज का अंश जरूर है, पर उनकी पैदाइश अप्राकृतिक है!
और साथ ही उनके अंदर सुप्त रूप में नागपाश के अंश भी हैं! वे हमारे राजा कभी नहीं बन सकते!
अपनी सारी शक्तियों के बावजूद आप...
मैं वादा नहीं कर सकता अमात्य!
हां, अमात्य! पता नहीं क्यों, पर ये आने वाला ग्रहण मेरी भविष्य की दृष्टि में व्यवधान डाल रहा है! मैं आगे कुछ स्पष्ट देख नहीं पा रहा हूं!
ऐसा लगता है जैसे ये ग्रहण इस संसार में भयंकर उथल-पुथल मचाएगा!
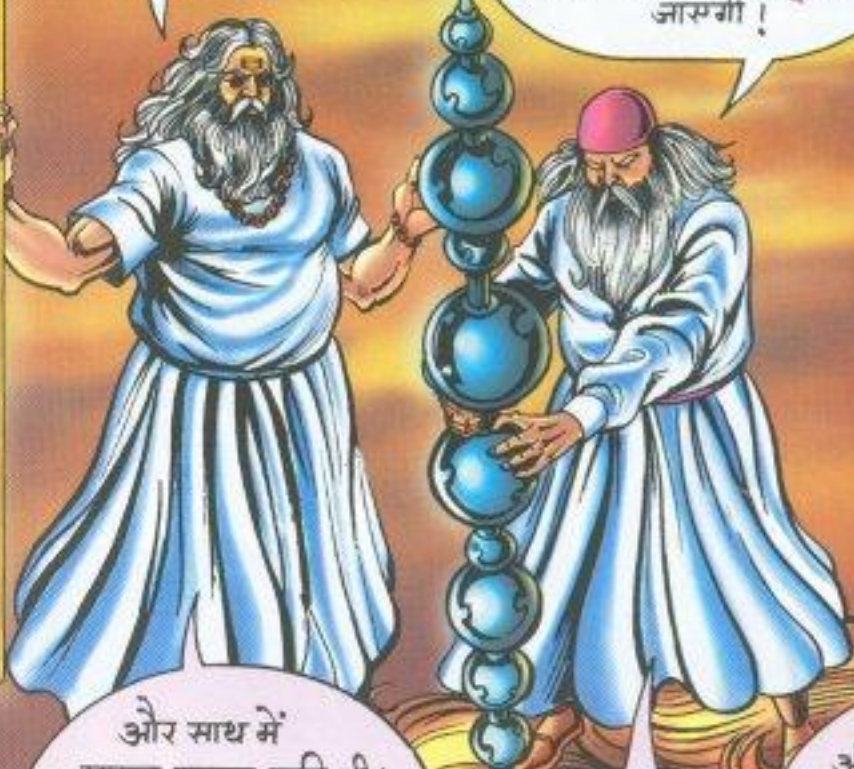
यह पूर्ण सूर्य ग्रहण हर भविष्यवक्ता की दूर दृष्टि पर बुरा असर डाल रहा था-
ऐसे ग्रहण तो आते-जाते रहते हैं, दादाजी! पर ऐसे ग्रहणों के कारण इतना परेशान मैंने आपको कभी नहीं देखा!
क्योंकि ऐसा ग्रहण पहले कभी नहीं लगा है, आरती!
इस ग्रहण के वक्त दोनों लुप्त शैतान ग्रह राहू और केतु भी शनि के साथ, पृथ्वी, चांद और सूर्य की सीधी रेखा में होंगे।
सूर्य ग्रहण के वक्त पहले कभी ये सभी ग्रह एक सीधी रेखा में नहीं आए थे!
इनका सम्मिलित प्रभाव विनाशकारी सिद्ध होगा।
क्या यही है आपकी चिन्ता का मुख्य कारण?
नहीं, आरती! ये ग्रहण कल लग रहा है! और कल तुम्हारी और नागराज के विवाह की दूसरी सालगिरह है!
मुझे डर है कि ये ग्रहण कहीं तुम्हारे वैवाहिक जीवन पर बुरा असर न डाले!
ओ, दादाजी! ऐसा कभी नहीं होगा! मुझे पूरा यकीन है कि मेरे और नागराज के बीच...
"... कभी कोई नहीं आ सकता-"
"पर अगर ऐसा हुआ, आरती, तो मैं उस शख्स को कभी माफ नहीं कर पाऊंगा! वह मेरा दुश्मन नंबर एक होगा-"

तुम इतनी चुप क्यों हो, विसर्पी ? अब तो ये नाराजगी छोड़ दो!
मैं नाराज नहीं हूं, नागराज! मैं कंफ्यूज्ड हूं कि मैं तुमसे पत्नी की तरह पेश आऊं, या रानी की तरह, दोस्त की तरह या फिर... दुश्मन की तरह!
तुम विसर्पी हो, और तुम मुझसे विसर्पी की तरह ही व्यवहार करो!
अब मैं और ज्यादा कंफ्यूज्ड हो गई हूं!
वैसे महानगर में मर्डर करने की सजा क्या है? मेरा मतलब अगर कोई पकड़ा जाए तो?
तुम मेरा खून करने की सोच रही हो? हा हा हा!
कैसे मारोगी? गोली चाकू या जहर?
मैं... भारती की तरफ से सोच रही थी!
मैं तुमको बता चुका हूं विसर्पी कि भारती से मैंने किन परिस्थिति में शादी की थी!
समाज और कानून सिर्फ शादी देखता है!
परिस्थितियों को नहीं! क्यों, है न बाबा?
बाबा गोरखनाथ
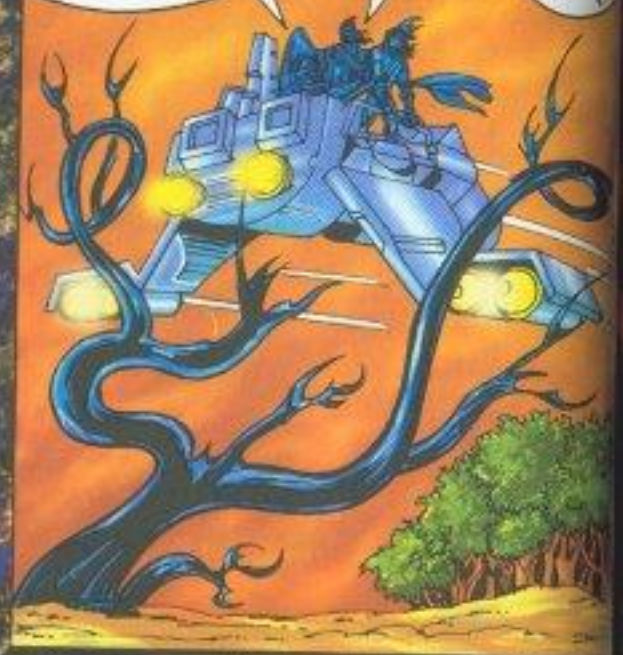
चतुर्थ अध्याय
काली छाया
बाबा !
रुको नहीं ! चलते रहो ! ये तुम लोगों को रोकने का प्रयास है !
ताकि तुम ग्रहण से पहले महानगर के भूमिगत सुरक्षित स्थान पर न पहुंच सको !
पर ये... और आप...
ये रक्ष-वृक्ष है ! एक काली शक्ति !
इससे मैं आसानी से निपट लूंगा ! तुम लोग बढ़ते रहो ! मैं आगे तुमसे मिलता हूं !
बस, सतर्क रहना !
मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि स्वयंवर में हारने के बाद क्रूरपाशा इस हरकत पर उतर सकता है !
हमको बाबा गोरखनाथ की मदद करनी चाहिए, नागराज !

नहीं, ध्रुव! हमको उनका आदेश मानना चाहिए! फिलहाल वे ब्लैक पॉवर्स के बारे में हमसे ज्यादा जानते हैं!
पर तुम शायद ये नहीं जानते कि तुमको कोमा से निकलने के दौरान उन्होंने तुम्हारे शरीर में मौजूद ब्लैक एनर्जी को अपनी शक्तियों से नष्ट किया था!
और इस कारण से उनकी शक्तियां अभी तक कमजोर हैं!
फिर भी आदेश, आदेश होता है!
इसके बढ़ने की गति इस यान की गति से तेज नहीं हो सकती है!
जैसा तुम कहो!
हमने रक्ष-वृक्ष को पीछे छोड़ दिया है!
44
11410 email: bizdev@rajcomics.com

कूदो!
ओफ़! अब ये एक से कई रक्ष-वृक्ष हो गए हैं!
पर जंगल में जब आग लगती है तो वह ये नहीं देखती कि पेड़ एक है या सैकड़ों!
रक्ष-वृक्ष दहक उठे-

इनको नष्ट करना तो बहुत आसान था!
पर आगे का रास्ता मुश्किल है! क्योंकि रक्ष वृक्ष ने हमारे यान को नष्ट कर दिया है। अब हमको पूरा रास्ता पैदल पार करना होगा!
तुम सही कह रहे हो! सारे सिग्नल जाम हैं! मुझे मदद मंगाने के लिए कोई भी नेटवर्क नहीं मिल रहा है!
ये सोची समझी साजिश है ध्रुव! हमको सूर्य ग्रह से पहले महानगर तक पहुंचने से रोकने की साजिश है!
... क्योंकि ये काम भगवान का नहीं, शैतान का है!
भगवान नहीं, शैतान बोलो...
वह खुद ही कोई ऐसा रास्ता निकाल रहा है ताकि मुझे तुम्हारे साथ न जाना पड़े!
शायद भगवान मेरे साथ है!
ओह! मैं वृक्षों को जलाकर बेकार में ही खुश हो रहा था! मैं ये तो भूल ही गया था कि रक्ष-वृक्षों के सिर्फ तने जले हैं...
... पर जड़ों को जला पाना तो असंभव है!
और जब तक जड़ें जिन्दा हैं, तब तक पेड़ जिन्दा हैं!
ओह! हमको असावधान नहीं होना चाहिए था!
गुरू द्रोण ने कहा था कि जीतने के बाद भी सावधान रहो!
अगर जिन्दा बचा तो उनकी यह सीख मैं कभी नहीं भूलूंगा!

जिन्दा बचने की संभावनाएं कम ही लग रही थीं-
क्योंकि न तो मंत्रों का उच्चारण करने के लिए गलों में आवाज थी-
और न ही शस्त्रों का संधान करने के लिए हाथ आजाद-
और वृक्ष शक्ति के सामने इंसानी शक्ति व्यर्थ थी-
वृक्ष शक्ति से तो-
वृक्ष- शक्ति ही निपट सकती थी-
सामान्य पेड़ रक्ष वृक्ष पर हमला करके हमको बचा रहे हैं!
ये जरूर बाबा गोरख नाथ का चमत्कार है!
नहीं, नागराज।
ये काम तो सिर्फ एक ही शख्स कर सकता है!
वनपुत्र!
जंगल का बेटा और वृक्षों का भाई!
जिसके एक इशारे पर पेड़ बढ़ते भी हैं और हरकत भी करते हैं!
तुम्हारी शक्ति सच-मुच आश्चर्यजनक है, वनपुत्र! परन्तु तुम्हारे मित्र वृक्ष ज्यादा देर तक रक्ष- वृक्षों को रोक नहीं पाएंगे!
न काले पेड़ और न ही काली शक्तियों वाले जीव।
मुझे अपने जंगल में काले पेड़ पसंद नहीं हैं, ध्रुव!

तो अब उनकी मदद करने की बारी हमारी है!
कमाल है नागराज! तुमने तो इनको 'जड़' से ही खत्म कर दिया!
मुझे तो मजा आ रहा है! अगर रक्ष वृक्ष ने इनको मार दिया तो हमारा काम यहीं पर खत्म हो जाएगा!
और अगर न भी मार पाया तो भी उसका उद्देश्य तो पूरा हो ही चुका है!
ग्रहण शुरू होने में अब सिर्फ एक घंटा बचा है!
वनपुत्र और नागराज की संयुक्त शक्ति रक्ष वृक्षों का विनाश तो कर रही थी-
हफ़! ऐसे हम ये लड़ाई नहीं जीत पाएंगे! कोई ऐसा तरीका सोचना पड़ेगा जो इन सभी रक्ष वृक्षों को एक साथ खत्म कर सके!
पर उतनी ही तेजी से उनकी संख्या बढ़ भी रही थी-
ऐसा एक तरीका है मेरे पास!

ये कौन सा अस्त्र है, ध्रुव ?
दलदल संधान ! ये इस पूरे इलाके को कुछ पलों के लिए दलदल में बदल देगा, और रक्ष वृक्ष का आधार खत्म हो जाएगा !
और रक्ष वृक्ष दलदल में धंसकर हमेशा के लिए पृथ्वी में समा जाएंगे !
और साथ में हम भी !
ये तुमने क्या कर डाला ध्रुव ?
घबराओ मत वनपुत्र ! मेरा 'नागरज्जु' इस दलदल में नहीं डूबेगा।
खत्म हो गए रक्ष वृक्ष !
कुछ ही पलों में ये जमीन फिर से ठोस हो जाएगी !
और हम महानगर की तरफ रवाना हो जाएंगे !
बाबा गोरखनाथ के आदेशानुसार !
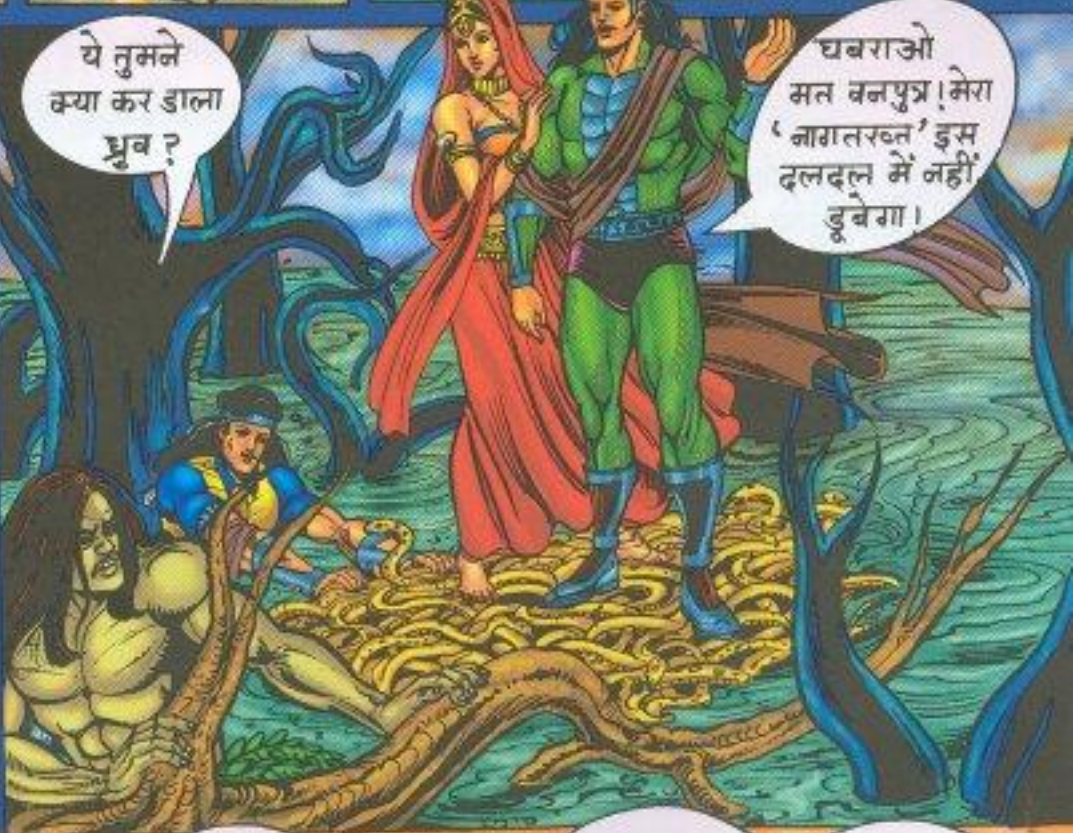
बाबा गोरखनाथ!
वे अभी तक वापस नहीं आए!
जरूर कुछ गड़बड़ है! हमको उनकी सहायता के लिए वापस जाना चाहिए!
नहीं, विसर्पी! उनका आदेश था कि हमको महानगर की तरफ बढ़ते रहना है!
कम से कम तुम तो उनकी सहायता के लिए जा सकते हो ध्रुव!
नहीं विसर्पी! बाबा ने इसीलिए अपने आपको खतरे में डाला है ताकि तुम लोग सुरक्षित महानगर पहुंच सको!
और तुमको सुरक्षित पहुंचाने का कुछ दायित्व मुझ पर भी है!
तुम्हारे विचार जानकर मुझे संतुष्टि हुई, ध्रुव!
बाबा गोरखनाथ! आप ठीक तो हैं न? और आपके साथ ये कौन है?
शिकांगी नेवला! इसी ने ऐन वक्त पर आकर मेरी सहायता की! वर्ना युद्ध जीतने में समय भी ज्यादा लगता और घाव भी! अह!
इनकी शक्ति काफी क्षीण हो गई है! इनको आराम की जरूरत है! मुझे इनको सुरक्षित स्थान पर लेकर जाना है!
वर्ना मैं तुम्हारी मदद के लिए जरूर रुकता!
तुम बाबा का ध्यान रखना शिकांगी! अपना ध्यान हम खुद रख लेंगे!
मैं तुमको महानगर तक सुरक्षित पहुंचाऊंगा।
मैंने जंगल यहां से महानगर तक फैला दिया है!
और जंगल वनपुत्र का क्षेत्र है!

अंडरग्राउंड सिटी नम्बर 59-
महानगर-
पर... पर सर, आप तो जानते हैं कि पब्लिक पहले से ही परेशान हैं!
ब्लैक पॉवर्स की वजह से माल ठीक से आ जा नहीं पा रहा है!
बिजनेस काफी मंदा हो गया है सर!
मेरा भी यही ख्याल है सर! हमको टैक्स कलैक्शन दो महीनों के लिए टाल देना चाहिए!
देखिए मैं इस सिटी का चीफ एडमिनिस्ट्रेटर हूं! इन स्थितियों का आभास मुझे भी है! पर टैक्स तो वसूलना ही पड़ेगा!
पर मेरे पास कुछ ऐसे सुझाव हैं जिनसे जनता परेशान भी न हो और टैक्स भी पूरा आ जाए! पहले तो...
सर! आपसे दो लोग मिलना चाहते हैं! अभी!
तुम देखते नहीं कि मैं एक इंपोर्टेन्ट मीटिंग में व्यस्त हूं! मैंने तो तुमको अंदर आने से मना किया था!
जो भी है उसे कल बुला लो और अब अंदर मत आना!
वे आपसे अभी मिलना चाहते हैं! अभी!
ओफ्फो! समझ गया!
ओ. के जेंटल मेन! मीटिंग शाम को चार बजे फिर से होगी!
अगली बार सेवक को सम्मोहित मत करना!
अब मैं आपकी क्या सेवा करूं?
जश्न का इंतजाम करो!
नागराज ने स्वयंवर जीत लिया है!
और वह कुछ ही देर में हमारी रानी को लेकर महानगर में आने वाला है!

वाह! इस समाचार का तो हम सभी इच्छाधारी नागों को वर्षों से इंतजार था!
नागराज महानगर का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व का रक्षक है! उसका स्वागत पूरे धूम-धाम के साथ किया जाएगा!
मिस्टर पांड्या!
यस, सर?
महानगर में जितने डेकोरेटर्स हैं उन सबको बुलाइए! अभी! हमें पूरे शहर को दो घंटों में सजाना है!
और नगर प्रशासन को यह बात पता है कि नागराज वापस आ रहा है!
पूरे महानगर को नगर प्रशासन दुल्हन की तरह सजा रहा है!
हमारे सूत्रों के अनुसार ये साज-सज्जा नागराज के स्वागत के लिए की जा रही है!
नागराज के स्वागत के लिए? नागराज तो ऐसे कई बार आ चुका है!
फिर इस बार ये स्वागत की धूमधाम किसलिए?
उनको ये बात कैसे पता है जबकि मुझे, नागराज की पत्नी को, न तो ये पता है कि नागराज कब वापस आ रहा है और न ही ये पता है कि वह ऐसा क्या करके वापस आ रहा है जो इतने भव्य स्वागत के काबिल हो!
हमने चीफ सिटी एडमिनिस्ट्रेटर मिस्टर बिल्लाल से ये पता करने की कोशिश की थी, मैडम! पर उनका एक ही जवाब था कि ये बात बताने लायक नहीं, देखने लायक है!
मुझे चाहे ये बात न पता हो पर मेरे रिपोर्टरों को यह बात जरूर पता होगी!
निशा! भारती हियर! महानगर को इतना सजाया क्यों जा रहा है? नागराज ऐसा कौन सा बड़ा काम करके वापस आ रहा है?
ओ. के. निशा!
थैंक्स!
देखने लायक चीज को देखने तो मैं भी जरूर जाऊंगी!
चाहे दादा जी के अनुसार बाहर जाने से मुझ पर ग्रहण का दुष्प्रभाव पड़े या नहीं!

दुष्प्रभाव की काली छाया पृथ्वी पर पैर पसारने जा रही थी-
हम अभी भी महानगर के द्वार से काफी दूर हैं! और इस गति से चलने पर तो हम ग्रहण के शुरू तो क्या, खत्म होने से पहले भी वहां तक नहीं पहुंच सकते!
पर बिना किसी वाहन के हम अपनी गति नहीं बढ़ा सकते! और इस वक्त दुनिया से हमारा संपर्क टूटा हुआ है!
पर तुम्हारा संपर्क मुझसे बन गया है नागराज! मैं तुमको ग्रहण शुरू होने से पहले महानगर पहुंचाऊंगा!
वो कैसे?
वो ऐसे!
अद्भुत! हमारे नीचे से पेड़ उगकर हमको हवा में उठा रहे हैं!
और फिर एक अनोखी यात्रा शुरू हो गई-
अरे वाह! पेड़ हमको हवा में उछालने जा रहे हैं और आगे तेज़ी से उगते पेड़ हमको लपककर और आगे बढ़ते जा रहे हैं!
मेरे यंत्रों के अनुसार हमारी स्पीड इस वक्त 70 मील प्रति घंटे से ज्यादा है!
अब हम ग्रहण शुरू होने से पहले ही महानगर पहुंच जाएंगे।
हे भगवान! तू पहले ये तय कर ले कि तू इनके साथ है या मेरे साथ?

ग्रहण पूर्ण होने वाला है, नागराज!
और हमको महानगर का द्वार नजर आने लगा है! ग्रहण के पूर्ण होने से पहले ही हम नगर में प्रवेश कर चुके होंगे!
पर देर हो चुकी थी-
अंधकार ने इस भूभाग पर अपने पैर पसार लिए थे-

ब्लेक पॉवर!
ओफ़! दुर्योग शुरू हो गया है!
अब हम महानगर में प्रवेश करेंगे तो बाबा गोरखनाथ के अनुसार ये महाअपशकुन होगा!
अब ग्रहण का प्रभाव खत्म होने तक हमको नगर से बाहर रुकना पड़ेगा और इन शैतानी ताकतों का मुकाबला करना होगा!
जान जाने से बड़ा अपशकुन कुछ नहीं होता नागराज! इससे पहले कि ये काली ताकतें और ताकतवर हों तुम नई वधू को लेकर नगर में प्रवेश कर जाओ!
मैं बाबा गोरखनाथ के आदेश की अवहेलना नहीं कर सकता वनपुत्र!

और अगर मैं इन ब्लैक पॉवर्स का भी सामना नहीं कर सकता तो मुझे इन काली शक्तियों के खिलाफ चल रहे महायुद्ध का नेतृत्त्व करने का कोई हक नहीं है!
रक्ष वृक्ष की तरह इनकी भी तादाद तेजी से बढ़ती जा रही है!
इस बार इनको नष्ट करना आसान नहीं है। क्योंकि रक्ष वृक्ष की तरह इनके पैदा होने का कोई स्थान नजर ही नहीं आ रहा है! ऐसा लग रहा है जैसे कि ये काले सूर्य की कालिमा से पैदा हो रहे हों!
ठीक कहा नागराज! पर जरा संभलकर! क्योंकि ग्रहण के अंधकार के कारण इनकी शक्तियां कई गुना बढ़ गई होंगी!
ब्लैक पॉवर्स की मुख्य शक्ति इनकी बेहिसाब तादाद है। वर्ना ये ऊर्जास्त्रों के सामने टिक नहीं पा रहे हैं!

कालेकाल को भेजने का तेरा फैसला एकदम सही निकला चेले... मतलब क्रूरपाशा!
पर एक आश्चर्य की बात है!
ये महानगर के द्वार तक पहुंचने के बाद भी कालेकाल से बचने के लिए अंदर जाने की कोशिश क्यों नहीं कर रहे हैं?
ग्रहण की कालिमा के कारण ये अपने सिरों को इतनी तेजी से उगा सकता है कि कुछ ही मिनटों में वे सिर, ग्रहण से ग्रसित पूरे भू-भाग को ढक लें!
और एक बार जो इनके जबड़े में आया तो उसे भगवान भी नहीं बचा सकते!
ये बात तो ये भी जानते होंगे कि ग्रहण का असर अंडरग्राउंड सिटी के अंदर नहीं होगा!
कारण स्पष्ट है क्रूरपाशा! विसर्पी नववधू है और ग्रहण के वक्त नववधू का पति के घर में पहला कदम रखना एक महाअपशकुन होता है!
ऐसा है तो देखते हैं कि अगर कालेकाल विसर्पी पर वार करे तो ये क्या करते हैं!
अगर मैं तुझ पर वार करूं तो क्या होगा, क्रूरपाशा?
आऽऽऽह! मूर्ख नगीना तूने क्रूरपाशा पर वार किया! मैं तुझे जीवित नहीं छोडूंगा!
और विसर्पी पर वार करोगे तो ऐसे भी मारे जाओगे! नागजाति तुम्हारे विरुद्ध होकर तुम्हारा नाश कर देगी! ये बात मैं तुमको पहले भी समझा चुकी हूं!
आपस में झगड़ा मत करो! पहले क्रूरपाशा की पूरी बात तो सुनो, नगीना!

बोलो... आ... बोलिए क्रूरपाशा!
विसर्पी को मारने के लिए नहीं बल्कि सिर्फ डराने के लिए वार किया जाएगा! ताकि विसर्पी, ग्रहण के दौरान ही महानगर में पैर रखने के लिए विवश हो जाए!
ये विसर्पी और नागराज के लिए अशुभ माना जाएगा! और इन दोनों के लिए जो कुछ भी अशुभ होगा...
... वह हमारे लिए महाशुभ होगा!
वैसे तो नागराज और ध्रुव का कालेकाल के असंख्य जबड़ों से बच पाना असंभव है!
लेकिन फिर भी किस्मत को बदलने के लिए हमको ऐसे अपशकुनों का साथ चाहिए!
एक बात और जान लो नगीना! विसर्पी पर मैं कभी जानलेवा वार नहीं करूंगा!
क्योंकि क्रूरपाशा का दिल उस पर आ गया है!
मैं विसर्पी से विवाह अवश्य करूंगा! और इस विवाह के सात फेरे नागराज की चिता के चारों तरफ लिए जाएंगे!
पर उसके बगल में मैं तेरी चिता भी जरूर सजाऊंगा नागिन नगीना!
बस, एक बार नागजाति मेरे कदमों के नीचे आ जाए...
कालेकाल! सुन अपने सम्राट का आदेश!
दे ले, जब तक आदेश सकता है, नागपाशा!
एक बार संसार की सत्ता मेरे कब्जे में आ जाए, फिर नगीना तुझे हमेशा के लिए जमीन के छः फुट नीचे सुला देगी!

कालेकाल को अपने स्वामी का आदेश मिल चुका था-
इन जबड़ों की संख्या तो बहुत तेजी से बढ़ती ही जा रही है!
अब तो आगे का रास्ता भी बंद हो गया है! पीछे हटने के अलावा और कोई चारा नहीं है!
इन्होंने तो वृक्षों को उगाने लायक जगह भी नहीं छोड़ी है!
और जो वृक्ष मैंने बढ़ाए थे उनको ये हजम कर चुके हैं!
आऽऽऽह!
विसर्पी! अब ये विसर्पी पर भी हमला कर रहे हैं! इनसे निपटने का कोई रास्ता जल्दी ही सोचना होगा!
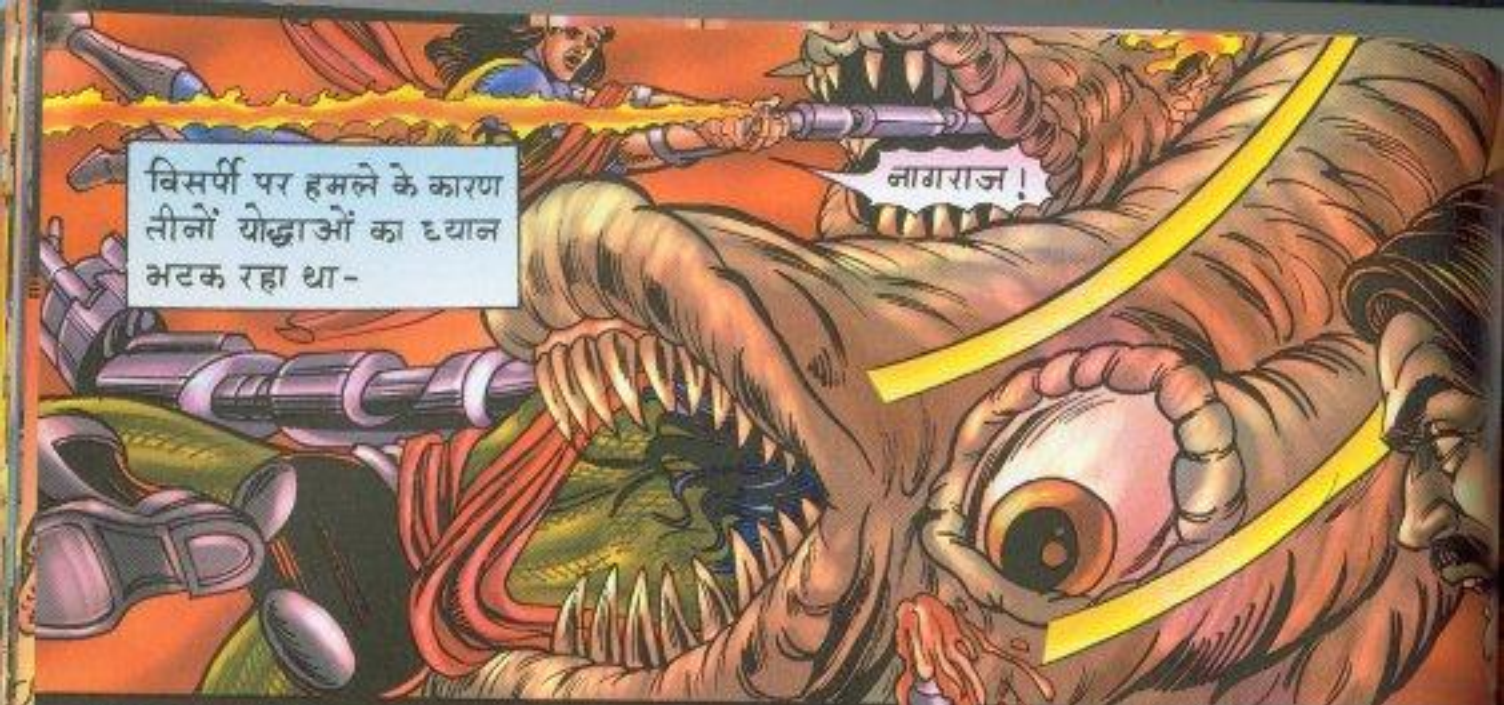
विसर्पी पर हमले के कारण तीनों योद्धाओं का ध्यान भटक रहा था-
नागराज!
ओ, थैंक गॉड! मैं तो समझा कि तुम...
मैं भी यही समझ रहा था। इसके पेट में जाते ही मेरा शरीर अंधकार में बदलने लगा था! इच्छाधारी शक्ति ने ही मुझे बचाया!
ध्रुव!
ओफ़! हमारा ध्यान भटक रहा है!

और वह भी सिर्फ विसर्पी की सुरक्षा के कारण! अगर विसर्पी सुरक्षित हो जाए तो हम अभी भी इस युद्ध को जीतने का तरीका सोच सकते हैं!
इस खुले में ग्रहण के असर से कोई भी स्थान अछूता नहीं है! सुरक्षित स्थान तो एक ही है! अंडरग्राउंड सिटी महानगर!
पर एक मामूली सी समस्या है नागराज!
अब विसर्पी को भेजने का रास्ता भी बंद हो गया है!
हम चारों तरफ से घिर गए हैं!
तो क्या ग्रहण के वक्त ही विसर्पी को महानगर में प्रवेश करना पड़ेगा?
और कोई रास्ता नहीं है ध्रुव! वर्ना ब्लैक पॉवर्स के खिलाफ हमारी जंग हमारे साथ यहीं पर खत्म हो जाएगी!
जल्दी जाओ विसर्पी!
ये 'नाग-सुरंगें' तुमको ठीक महानगर के द्वार पर निकाल देंगी!
रास्ते कभी बंद नहीं होते वनपुत्र!
बस नए रास्ते ढूंढ़ने पड़ते हैं!
मैं तुम्हारे बगैर प्रवेश कैसे करूंगी?
करना पड़ेगा विसर्पी! जाओ!

अब तीनों योद्धा निश्चिन्त हो गए थे-
और ये पलटा हुआ पांसा कालेकाल पर भारी पड़ने वाला था-
तेरा वार पलटवार हो गया है क्रूरपाशा! अब विसर्पी जमीन के नीचे है और वहां पर ग्रहण का दुष्प्रभाव न होने के कारण कालेकाल वहां तक नहीं पहुंच सकता!
अब विसर्पी भी तेरे हाथ से गई और कालेकाल का भी काल आ गया है!
तू नागिन है न! जब उगलेगी जहर उगलेगी!
विसर्पी महानगर की तरफ भाग रही है! और यही हमारा उद्देश्य है!
सुरंग विसर्पी को सही दिशा में ले जा रही थी-
अंडरग्राउंड सिटी महानगर के प्रवेश द्वार पर-

तो ये है वह इनाम जो नागराज लेकर आया है!
और जिसके स्वागत के लिए नगर को भी दुल्हन की तरह सजाया गया है!
नई नवेली दुल्हन विसर्पी!
भारती!
मैं...
पंचम अध्याय
ग्रह प्रवेश

वहां क्यों खड़ी हो दीदी? अंदर आओ न!
मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था कि नागराज क्या लेकर आ रहा है!
नागराज के घर में आपका स्वागत है!
भारती, तुम? तुम... नाराज नहीं हो? बिल्कुल नहीं हो? या फिर...
नहीं दीदी! बिल्कुल नहीं! ये तो एक दिन होना ही था! बल्कि मुझे तो ये आश्चर्य है कि ये अब तक हुआ क्यों नहीं था!
अंदर आओ दीदी!
मेरी पोती का घर उजाड़ने वाली मेरे जीते जी महानगर में प्रवेश नहीं कर सकती!
तुम अभी वैवाहिक जीवन की बारिकियों को जानती नहीं हो भारती!
ये तुम्हारी 'दीदी' नहीं सौत है!
वहीं पर रुक जाओ, विसर्पी!
वापस लौट जाओ विसर्पी!
और तेरी सौत ने अगर महानगर में घुसने की कोशिश की तो उसे मौत मिलेगी!

ओहो! विसर्पी बेचारी अभी भी पिया के घर में नहीं जा पा रही है!
इसे थोड़ा सा धक्का देना पड़ेगा।
कालेकाल!
ऊऽऽऽई!
ये तो यहां तक भी हमला कर रहा है!
मुझे महानगर में प्रवेश करना ही होगा!
नहीं, विसर्पी!
ये तिलिस्म तुम्हारे और महानगर के बीच की सीमा रेखा है!
इसको पार करने की कोशिश की तो...
... खाक हो जाओगी!
अजीब विडंबना थी! मंजिल सामने थी और मौत पीछे-
और कुछ ही पलों में इनमें से एक न एक चीज विसर्पी को चुनने वाली थी-

ऐसी ही एक स्थिति अंडरग्राउंड सिटी राजनगर से थोड़ी दूर पर भी पैदा हो रही थी-
बस ऋषि! दस मिनट में हम नानाजी के पास होंगे!
मम्मी! ये कौन है?
ब्लैक कैट!
वापस लौट जाओ नताशा!
मैं तुमको बच्चे के साथ रोबो के पास नहीं जाने दूंगी!
तूने अपनी हद पार कर दी है, रिचा!
नताशा को न तो आज तक कोई रोक पाया है और न ही रोक पाएगा!
ब्लैक कैट रोकेगी!
ऐसे!
ओफ! अब इस बियाबान में मुझे शिप को उतारना पड़ेगा और मेरे पास ब्लैक कैट से लड़ने के लिए कोई हथियार नहीं है!

तुमको आगे जाना है तो जाओ नताशा! पर ऋषि, ध्रुव के पास जाएगा!
तुम कोर्ट के आदेश की अवमानना कर रही हो ब्लैक कैट!
ऋषि को मेरे हवाले कर दो!
कोर्ट के आदेश इंसानों के लिए होते हैं!
ब्लैक कैट के लिए नहीं!
कम आऊट!
डैम इट! जैट कार में अंदर एक बच्चा भी है!
अगर मेरे पास भी एक लेसर गन होती तो...
नाऊ कम आऊट!
आऽऽऽ
रोबो फोर्स की शिप! भागना पड़ेगा!
आप ठीक तो हैं न, मैडम?
ह... हां हां! तुम लोग समय पर आ गए वर्ना वह पागल ब्लैक कैट न जाने मेरा और मेरे बच्चे का क्या हाल करती!
अब उसको भूल जाइए, मैडम!
चलिए हमारे साथ!

थोड़ी ही देर बाद-
नताशा! तुम ठीक तो हो न? ऋषि को चोट तो नहीं आई?
नहीं पापा! आपके लोग ठीक समय पर पहुंच गए थे!
ये तो चांस की बात थी कि मेरी पेट्रोलिंग पार्टी ने तुम लोगों को देख लिया! वर्ना वह पागल ब्लैक कैट तो...
... उसने हद पार कर दी है, पापा! अगर ऋषि मेरे साथ न होता तो मैं उसे जिन्दा नहीं छोड़ती!
अब वह मेरी शिकार है पापा! आपकी नहीं!
नहीं नताशा! वह शायद पागल हो गई है! अब जब तक मेरे आदमी उसे ठिकाने नहीं लगा देते, तब तक तुम यहां से कहीं बाहर नहीं जाओगी और न ही ऋषि!
वर्ना अगर तुममें से किसी को खरोंच भी लगी तो मेरी तो जान निकल जाएगी!
ठीक है पापा! वैसे भी आपकी दुनिया छोड़ने के बाद मैं किसी के खून से अपने हाथ नहीं रंगना चाहती!
अब तुम लोग अपने रूम में जाकर सेट हो लो! फिर हम लंच पर मिलते हैं!
शाबाश! एक तीर से दो शिकार हो गए, खबरी!
तुमने एकदम सही समय पर मुझे नताशा और रिचा की बातचीत के बारे में बता दिया! और मैंने लिली को ब्लैक कैट बनाकर भेज दिया!
अब एक तो नताशा रिचा की पक्की दुश्मन बन गई है! और दूसरे वह यहां से वापस नहीं जाएगी! और सुन! दुबारा मेरी कुर्सी पर मत बैठना!

अब ध्रुव को
नचाने वाली चाबी
मेरी गोद में खेलेगी।
ध्रुव बगैर चाबी
के नाच रहा था-
अंधेरे के साथ-
साथ इनकी संख्या
भी बढ़ती जा रही है
नागराज ! अब क्या
इस मुसीबत से बचने
के लिए हमें दिव्यास्त्रों
का प्रयोग करना
पड़ेगा ?
अभी नहीं
ध्रुव ! अभी तो...
वनपुत्र !
वनपुत्र को एक जबड़े
ने निगल लिया है और वह
इस भीड़ में गायब हो
गया है !
अब हमारी
बारी आने वाली
है !

अगर हमको इसका स्रोत नजर आ जाता तो हम उस पर वार करके इस मुसीबत को हमेशा के लिए खत्म कर सकते थे! पर इसका स्रोत तो...
है न नागराज! स्रोत तो हमें हमेशा से नजर आ रहा था!
इसका स्रोत अंधकार है! ग्रहण का अंधकार! अगर हम ग्रहण का अंधकार दूर कर सकें तो...
समझ गया! तुम तत्त्वायुध छोड़ो!
और मैं संपीड़न बाण का संधान करता हूं!
ध्रुव के बाण ने अंतरिक्ष में मौजूद हाइड्रोजन और हीलियम के कणों को तेजी से एकत्रित करना शुरू कर दिया-
और संपीड़न बाण ने उन कणों पर दबाव बनाकर उनको कंप्रेस करना शुरू कर दिया-
कुछ ही पलों में नतीजा सामने आ गया! आसमान में कुछ पलों के लिए एक नया सूर्य चमक उठा था-
और साथ ही कालेकाल की अंधेरी शक्तियां भी-
- अंधकार खत्म हो गया था-
खत्म हो गया काले-काल!
पर वनपुत्र के जाने का अफसोस मुझे हमेशा रहेगा!

र विसर्पी को यह पता नहीं था-
वह जबड़ा गायब हो गया है! यही मौका है! अब मुझे महानगर में जाना ही होगा! चाहे आग मुझे ही भस्म कर दे!
मैं तुम्हारी भस्म को भी महानगर में प्रवेश करने नहीं दूंगा!
नहीं विसर्पी! अगर तुमको भस्म होना ही है तो ये काम भी तुमको महानगर की सीमा से बाहर ही करना होगा!
विसर्पी जीते जी तिलिस्म से बाहर नहीं आ सकती थी-
मैंने ये जीवन तुम्हारे लिए ही जिया है भारती! तुम्हारे और तुम्हारी खुशियों के बीच में जो भी आएगा उसका यही हाल होगा!
नहीं दादा जी!
अगर दीदी को नागराज से विवाह करने की ये सज़ा मिलनी है...
... तो मैंने भी तो नागराज से विवाह किया है!
इसलिए आधी सज़ा की हकदार मैं भी हूं!
भारती!
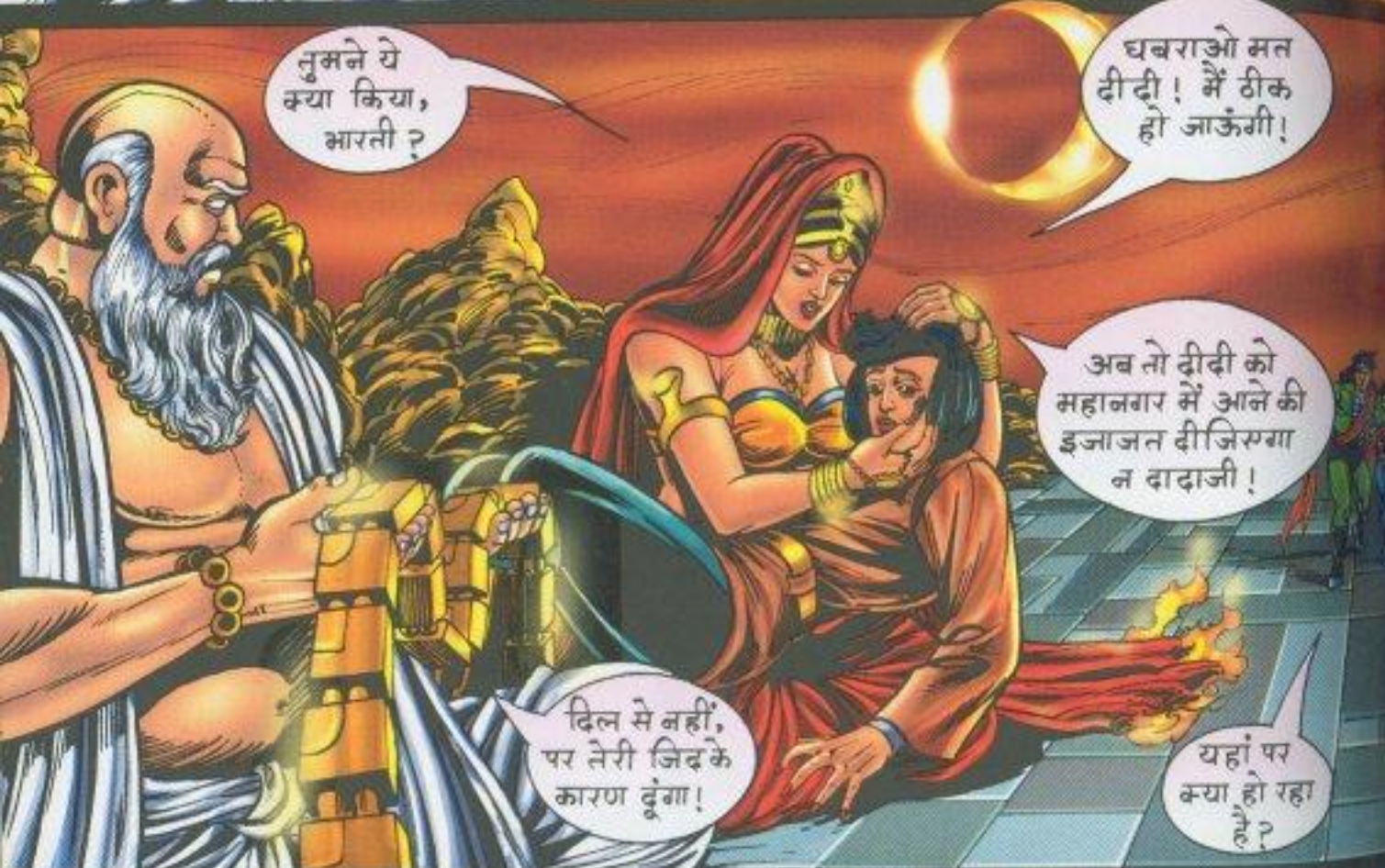
भारती! मेरी बच्ची!
तुमने ये क्या किया, भारती?
घबराओ मत दीदी! मैं ठीक हो जाऊंगी!
अब तो दीदी को महानगर में आने की इजाजत दीजिएगा न दादाजी!
दिल से नहीं, पर तेरी जिद के कारण दूंगा!
यहां पर क्या हो रहा है?
आओ नागराज! एकदम सही समय पर आए हो!
निशा!
मैंने पूजा की थाली तैयार रखी है मैडम! ठीक वैसी, जैसी आपने बताई थी!
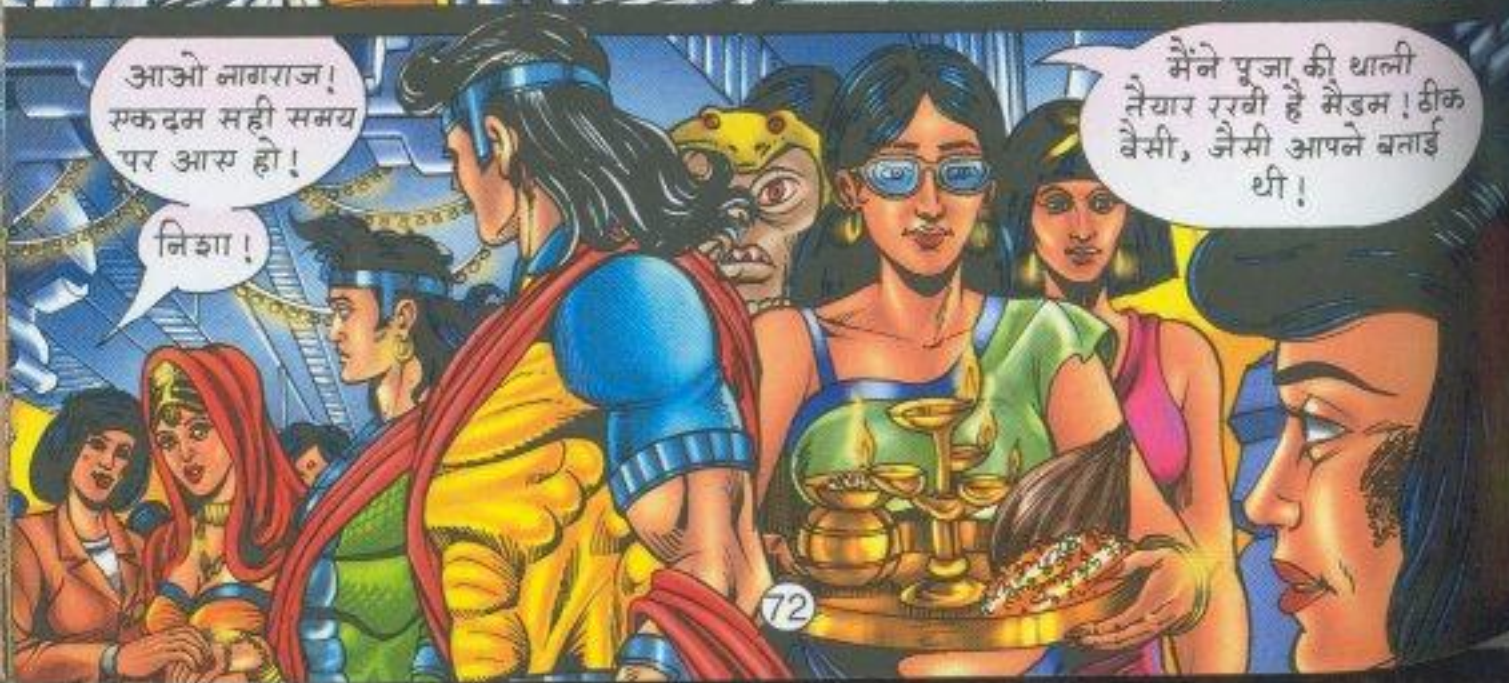
महानगर में नववधू विसर्पी का स्वागत है!
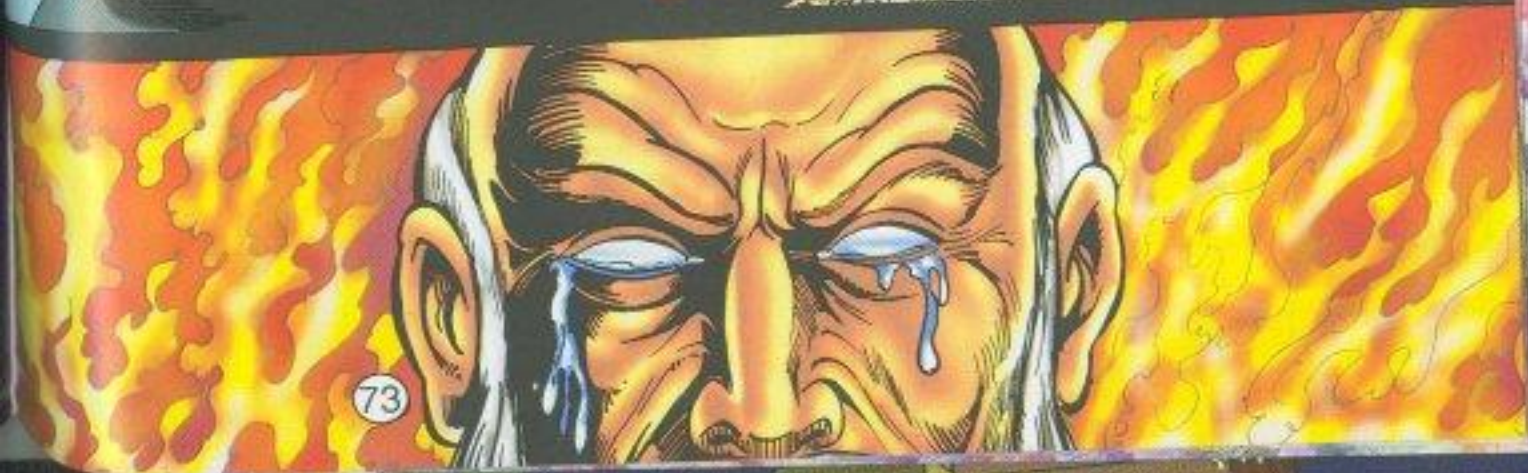
वेदाचार्य का इतना ड्रामा बेकार गया!
विसर्पी भी हाथ से गई नागराज, ध्रुव भी बच गए और कालेकाल भी मारा गया!
अरे दुर्भाग्य, तू कब मेरा पीछा छोड़ेगा!
वहां पर कई नागशक्तियां हैं, और नागराज भी है! वहां जाओगे तो मात खाओगे।
ये काम तुम गीला पर छोड़ दो!
मुझे विसर्पी चाहिए! किसी भी कीमत पर चाहिए!
मैं पूरे महानगर को बरबाद कर दूंगा! हमेशा के लिए अंडरग्राउंड कर दूंगा मैं उस शहर को! क़ब्र में बदल दूंगा उस नगर को!
अब चाल बदलनी पड़ेगी! अगर तुम्हें विसर्पी को हासिल करना है तो उसे महानगर से बाहर लाना पड़ेगा!
पर वह बाहर आएगी क्यों?
विसर्पी को नागराज से छीनना अब गीला का काम है!
गाथा जारी है— हरण काण्ड में!